RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 332 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 02-07-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

2 देश में एक साथ चुनाव वक्त की जरूरत : रेखा गुप्ता

6 आधुनिकता का यह कैसा आक्रोश?

7 आइने के सामने खुद को देख रो पड़ती थीं अविका गौर

फर्स्ट टेक

जीएसटी संग्रह जून में 14 प्रतिशत बढ़कर 1.95 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली/भाषा। सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह जून में 13.9 प्रतिशत बढ़कर करीब 1.95 लाख करोड़ रुपये हो गया। बुधवार को जारी सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। घरेलू लेनदेन से सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.35 लाख करोड़ रुपये रहा, जबकि आयात से प्राप्त राजस्व 34.6 प्रतिशत बढ़कर 60,038 करोड़ रुपये हो गया। आंकड़ों के अनुसार, 'कुल रिफंड' (प्रतिदाय) जून में 29.1 प्रतिशत बढ़कर 32,436 करोड़ रुपये रहा। 'रिफंड' समायोजित करने के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह जून में 11.2 प्रतिशत बढ़कर 1.62 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

श्रीलंका ने आपातकाल समाप्ति की घोषणा की

कोलंबो। श्रीलंका ने बुधवार को उस आपातकाल को खत्म करने की घोषणा की, जो लगभग सात महीने पहले विनाशकारी चक्रवात दित्वा' के द्वीप देश से टकराने के बाद लागू किया गया था। नवंबर 2025 के आखिर में श्रीलंका से टकराए चक्रवात दित्वा' के कारण 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और देश के सभी 25 जिलों में भीषण बाढ़ और भूस्खलन के कारण बड़े पैमाने पर तबाही हुई। सरकार का कहना है कि आपदा के समय तत्काल कार्रवाई और बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए आपातकाल लागू करना जरूरी था। इससे जरूरी सेवाओं के संचालन, राहत, बहाली एवं पुनर्निर्माण के कामों में तालमेल बिठाने के लिए सेना की तैनाती का भी रास्ता साफ हुआ।

पाकिस्तान के पंजाब में ऐतिहासिक गुरुद्वारा ढहाया गया, सिख समुदाय ने जताया विरोध

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक स्थानीय व्यवसायी द्वारा दशकों पुराने ऐतिहासिक गुरुद्वारे को ढहा दिए जाने के बाद अल्पसंख्यक सिख समुदाय ने कड़ा विरोध प्रदर्शन किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पंजाब सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, लाहौर से करीब 70 किलोमीटर दूर फरूकाबाद स्थित ऐतिहासिक 'गुरुद्वारा सिंह सभा' को हाल ही में एक स्थानीय व्यवसायी ने ध्वस्त कर दिया। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, व्यवसायी ने संबंधित विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त किए बिना ही गुरुद्वारे को ढहा दिया। संबंधित विभाग ने इस मामले पर तब तक संज्ञान नहीं लिया, जब तक कि क्षेत्र के सिखों ने इसका विरोध नहीं किया।

सूर्यास्त 02-07-2026	सूर्योदय 03-07-2026
6:50 बजे	5:57 बजे

BSE	NSE
76,922.64	24,005.85
(+443.97)	(+140.10)

सोना	चांदी
14,698 रु.	229,146 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अंतहीन व्यभिचार

बढ़ रहे रोज दुष्कर्म आज,
बालिग नाबालिग सब शिकार।
हो रहे पतित इंसान यहां,
हर मन के भीतर दुराचार।
क्या कारण है इसका आखिर,
सोचे निज मन में सभी यार।
या तो भीतर इंसान मरा,
या सिस्टम में आया विकार।।

'डिजिटल इंडिया' ने भारत को दुनिया में नई पहचान दिलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरकार की 'डिजिटल इंडिया' पहल की सराहना करते हुए बुधवार को कहा कि इसने शासन के तौर-तरीकों को नया स्वरूप दिया, नागरिकों को सशक्त बनाया और जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर सर्वांगीण विकास को गति दी है। मोदी ने कहा कि 'डिजिटल इंडिया' के 11 वर्ष ने भारत को दुनिया में नई पहचान दिलाई है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''आज, डिजिटल इंडिया पहल की शुरुआत के 11 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस पहल ने शासन के तौर-तरीकों को नया स्वरूप दिया, नागरिकों को सशक्त बनाया और सर्वांगीण विकास को गति दी है। इसने जीवन के हर पहलू को प्रभावित किया है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि सुगम डिजिटल भुगतान और पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों तक प्रत्यक्ष लाभ अंतरण से लेकर विस्तृत होती डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तक, प्रौद्योगिकी लोगों का जीवन आसान बनाने का एक सशक्त माध्यम बन गई है। उन्होंने कहा, ''डिजिटल इंडिया ने नवोन्मेष की लहर को देश के हर हिस्से, विशेषकर गांवों और 'टियर-2' और 'टियर-3' के शहरों तक पहुंचाया है।'' मोदी ने कहा कि देश के हर कोने के युवा उद्यमी, स्टार्टअप और नवोन्मेषक दुनिया के सामने मौजूद गंभीर चुनौतियों के समाधान तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, वाणिज्य और सार्वजनिक सेवाओं की आपूर्ति को मजबूत किया है तथा शासन को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और सुलभ बनाया है।

मोदी ने कहा कि डिजिटल क्षेत्र में सरकार की कोशिशों से यह सुनिश्चित हुआ है कि भारत कृत्रिम मेधा (एआई), सेमीकंडक्टर और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, इससे विकास और अवसरों के नए रास्ते खुलेंगे। हमारा ध्यान ऐसा भविष्य बनाने पर केंद्रित रहेगा जिसमें प्रौद्योगिकी मानवता की सेवा करे, प्रत्येक नागरिक को सशक्त बनाए और सतत विकास को गति दे। मोदी ने कहा कि डिजिटल इंडिया विकसित और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त नींव है तथा बीते 11 वर्ष में इसने गरीबों और वंचितों के सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही देशवासियों के जीवन को आसान बनाया है।

छात्र अपने ज्ञान का इस्तेमाल वंचितों को सशक्त बनाने के लिए करें : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अनंतपुर/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि विद्यार्थियों को अपने ज्ञान का इस्तेमाल वंचित वर्गों को सशक्त बनाने के लिए करना चाहिए। अनंतपुर में आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि विद्यार्थियों की यह जिम्मेदारी है कि वे समाज को भी अपना योगदान दें। मुर्मु ने कहा, ''आपकी जिम्मेदारी है कि आप समाज को अपना योगदान दें। अपनी शिक्षा को वंचित और जरूरतमंद लोगों की ताकत बनने का माध्यम बनाइए।'' राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक अहम पल और वर्षों की लगन एवं कड़ी मेहनत का नतीजा होता है। उन्होंने कहा, ''वे सपने लेकर विश्वविद्यालय में आए थे और आज ज्ञान, आत्मविश्वास तथा ऐसी डिग्री के साथ यहां से निकल रहे हैं, जो उनके लिए अवसरों के नए द्वार खोलेगी।'' उन्होंने भरोसा जताया कि आंध्र प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में उभरेगा और '2047 तक विकसित भारत' के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

मुर्मू ने यह भी कहा कि यह जानकर उन्हें खुशी हुई कि विश्वविद्यालय ने भविष्य की जरूरतों के अनुरूप संस्थान बनने के लिए दीर्घकालिक योजना तैयार की है। मुर्मू ने कहा कि सतत विकास लक्ष्य, खासकर अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता, समावेशी और समान विकास के प्रति जिम्मेदारी की भावना को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि छात्रों की सफलता उनकी अपनी कड़ी मेहनत का नतीजा है, लेकिन इसमें उनके माता-पिता के त्याग, शिक्षकों के मार्गदर्शन और समाज के सहयोग की भी अहम भूमिका रही है। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि उन्नत होती प्रौद्योगिकी हर क्षेत्र को बदल रही है और इतनी तेजी से बदलती दुनिया में, सीखने की प्रक्रिया सिर्फ डिग्री हासिल करने के साथ खत्म नहीं हो सकती और न ही होनी चाहिए।उन्होंने कहा, ''सीखने के प्रति उत्साही, विपरीत परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम और नयी सोच रखने वाले हमारे युवा देश की बहुमूल्य संपत्ति हैं।'' आंध्र प्रदेश के राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर, मानव संसाधन मंत्री नारा लोकेश और वित्त मंत्री पी. केशव ने दीक्षांत समारोह में हिस्सा लिया।

चार्टर्ड अकाउंटेंट के मानकों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) वित्तीय व्यवस्था में भरोसे के संरक्षक होते हैं और इन मानकों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए राधाकृष्णन ने नैतिक तौर-तरीकों के महत्व पर जोर देते हुए यह भी कहा कि नैतिकता के बिना आर्थिक वृद्धि का कोई लाभ नहीं होगा। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय राजधानी में 78वें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा, ''चार्टर्ड अकाउंटेंट वित्तीय व्यवस्था में भरोसे के संरक्षक होते हैं और इन मानकों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए।'' उन्होंने ईमानदारी, उत्कृष्टता, जवाबदेही और देश सेवा की आईसीएआई की परंपरा का उल्लेख किया। भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) के पांच लाख से अधिक सदस्य हैं। यह चार्टर्ड अकाउंटेंट बनने के लिए छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करता है।

राधाकृष्णन ने कहा कि चार्टर्ड अकाउंटेंट परीक्षा के ऊंचे मानकों के कारण इसमें फेल होने वालों की संख्या 'सबसे कम' है और इन मानकों को कमजोर नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कारोबार सुगमता देश की कानूनी रूपरेखा में होनी चाहिए और गुणवत्ता से समझौता करके पैसे बचाना विनाशकारी होगा।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच भारत का तेल आयात रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के बीच जून में प्रतिदिन 49.3 लाख बैरल (बीपीडी) कच्चे तेल का आयात किया, जो उस महीने के लिए अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। ऊर्जा खुफिया कंपनी केप्लर के आंकड़ों और विश्लेषण से यह जानकारी मिली। केप्लर के विश्लेषक सुमित रितोलिया ने बताया कि इस दौरान रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़कर लगभग 26 लाख बैरल प्रति दिन हो गया, जिससे रूस भारत का सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहा। रूस से आयात जून में भारत के कुल तेल आयात का आधे से अधिक रहा, जबकि मई में यह 36.5 प्रतिशत था। भारत ने रूस से 21.3 लाख बैरल प्रति दिन आयात किया था।

रूस 2022-23 से भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, क्योंकि यूरोपीय देशों द्वारा रूस से आयात घटाने के बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रियायती रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी थी। यह रिकॉर्ड आयात मात्रा दिखाती है कि पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंताओं के बावजूद भारत विविध स्रोतों से कच्चे तेल की आपूर्ति बनाए रखने में सक्षम रहा है। रितोलिया ने कहा, पिछले 100 दिन में भारत के कच्चे तेल आयात ने उल्लेखनीय मजबूती दिखाई है। भारत प्रमुख आयातकों में सबसे बेहतर स्थिति में रहा है, जिसने सक्रिय विविधीकरण और खरीद रणनीति के माध्यम से आपूर्ति को बनाए रखा है।

मूसलाधार बारिश

बुधवार को महाराष्ट्र के नवी मुंबई में हुई मूसलाधार बारिश के बाद सायन पनवेल हाईवे के जलमग्न हिस्से से गुजरते वाहन। लगातार बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया, जिससे यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

तीन करोड़ रुपए की रिश्वत के मामले में आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने नकली दवा बनाने वाले गिरोह की जांच से जुड़े कथित तीन करोड़ रुपये की रिश्वत के मामले में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर नागरिक विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) में तैनात भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के एक वरिष्ठ अधिकारी को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा संवर्ग के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी दीपक गहलावत कथित अपराध के समय बीसीएएस में क्षेत्रीय निदेशक के पद पर तैनात थे।

कई मोर्चों पर प्रभावी ढंग से संचालित होने वाली सेना बनाना लक्ष्य है : जनरल धीरज सेठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को कहा कि भारतीय सेना जंग के लिए हमेशा तैयार और युद्ध का व्यापक अनुभव रखने वाला बल है तथा इसका लक्ष्य एक ऐसी प्रौद्योगिकी युक्त और भविष्य के लिए तैयार सेना बनाना है जो कई मोर्चों पर प्रभावी ढंग से संचालित हो सके। उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 'विजय' शब्द का इस्तेमाल किया। 'विजय' शब्द को अंग्रेजी में लिखे जाने पर इसमें शामिल अक्षरों का अभिप्राय यहां वी' से विजिलेंस (सतर्कता), आई से इनोवेशन (नवाचार), 'जे' से 'ज्वाइंटनेस' (एकीकृत), 'ए' से आत्मनिर्भर' और 'वाई' से योद्धा 'प्रथम' है।

जनरल सेठ, जो एक बेहतरीन सैन्य अधिकारी हैं और जिनके नाम पश्चिमी सीमा पर सेना की दो अभियानगत कमान संभालने का विशेष रिकॉर्ड है, ने मंगलवार को सेना प्रमुख का पदभार संभाला। उन्होंने जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह ली, जो 40 साल से अधिक लंबे शानदार करियर के बाद 30 जून को सेवानिवृत्त हो गए।

बुधवार को साउथ ब्लॉक के परिसर में सलामी गारद का निरीक्षण करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए जनरल सेठ ने कहा कि भारतीय सेना युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार और अनुभवी बल है, जो युद्ध के मैदान में हर चुनौती का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहती है।

असम में बाढ़ से 46 हजार से अधिक लोग प्रभावित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति में बुधवार को भी कोई सुधार नहीं दिखा। एक आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, राज्य के छह जिलों में बाढ़ से 46,000 लोग प्रभावित हुए हैं। इस आपदा से धेमाजी जिला सबसे अधिक प्रभावित रहा। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने मंगलवार रात बताया कि धेमाजी जिले के सिसीबोरगांव में बाढ़ के पानी में डूबने से एक महिला की मौत हो गई। इस साल बाढ़ से यह पहली मौत है।

बुलेटिन के अनुसार, ब्रह्मपुत्र समेत दो प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं, साथ ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचने की सूचना है। इसके अलावा 3,809 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि अब भी बाढ़ के पानी में डूबी हुई है। एएसडीएमए ने बताया कि धेमाजी, नलबाड़ी, डिब्रूगढ़, चिरांग, लखीमपुर और विस्वनाथ जिलों के 10 राजस्व क्षेत्रों और 221 गांवों में 46,938 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। धेमाजी में 45,841 लोग प्रभावित हुए हैं। बुलेटिन के मुताबिक, बाढ़ से विस्थापित 450 से अधिक लोगों ने चार राहत शिविरों में शरण ली है, जबकि छह अन्य राहत वितरण केंद्र भी संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा, 88,000 से ज़्यादा जानवर प्रभावित हुए हैं।

अंबाला में बोरवेल में गिरे चार वर्षीय बच्चे की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंबाला/भाषा। हरियाणा के अंबाला जिले में 220 फुट गहरे बोरवेल में गिरे चार वर्षीय बच्चे को 21 घंटे तक चले बचाव अभियान के बाद बुधवार तड़के बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। निरवैर सिंह को मंगलवार सुबह शुरू हुए विभिन्न एजेंसियों के संयुक्त बचाव अभियान के बाद बुधवार तड़के तीन बजकर 40 मिनट पर बोरवेल से बाहर निकाला गया और उसे तुरंत एम्बुलेंस से अंबाला छावनी के सिविल अस्पताल ले जाया गया।

अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉ. ऋषिपाल सिंह ने बताया कि बच्चे को बोरवेल से बाहर निकालने के तुरंत बाद घटनास्थल पर ही उसकी प्रारंभिक जांच की गई थी। उन्होंने बताया कि बच्चे के जीवित होने के कोई संकेत नहीं मिले, जिसके बाद उसे अस्पताल लाया गया और वहां आवश्यक चिकित्सकीय परीक्षण किए गए। हालांकि, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। डॉ. सिंह ने बताया कि मौत के सही कारण और समय की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। यह घटना मंगलवार सुबह करीब साढ़े छह बजे अंबाला जिले के धन्यौड़ा गांव में हुई। निरवैर सिंह अपने पिता मनजीत के साथ खेत में अपने दादा करनैल सिंह के लिए खाना लेकर गया था। परिवार के अनुसार, करनैल सिंह सुबह ही खेत में काम करने चले गए थे, जबकि मनजीत बाद में उनके लिए खाना लेकर पहुंचे। निरवैर ने भी अपने पिता के साथ जाने की जिद की, जिसके बाद मनजीत उसे साथ ले गए। खेत पर पहुंचने के बाद मनजीत काम में लग गए और करनैल सिंह खाना खाने लगे। निरवैर पहले अपने दादा के पास बैठा रहा लेकिन कुछ देर बाद खेलने लगा। खेलते-खेलते उसकी नजर खुले बोरवेल पर पड़ी और वह उसमें मिट्टी डालने लगा। माना जा रहा है कि जब वह बोरवेल के अंदर झांकने के लिए झुका, तभी आसपास की गीली मिट्टी धंस गई और उसका पैर फिसलने से वह बोरवेल में गिर गया।

उत्तराखंड के अधिकांश इलाकों में मानसूनी बारिश, देहरादून और बागेश्वर में 'ऑरेंज अलर्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में मानसून के दस्तक देने के साथ ही अधिकांश इलाकों में बारिश हुई जबकि मौसम विभाग ने देहरादून और बागेश्वर जिलों में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान व्यक्त करते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मंगलवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून पहुंच गया है और झमाझम बारिश ने लोगों को लंबे समय से जारी उमस भरी गर्मी से राहत दिलाई है। मौसम विभाग ने अगले एक-दो दिन में मानसून के राज्य के शेष भागों में भी पहुंचने की उम्मीद जताई है।

मौसम केंद्र के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में दंगोली में 98 मिलीमीटर (मिमी), कौसानी में 80 मिमी, पिथौरागढ़ में 68.3 मिमी, देहरादून में 62, बनबसा और चंपावत में 61-61 मिमी, गरूड़ में 60, कालसी में 50.5, जागेश्वर में 48.5 तथा बागेश्वर में 26.5 मिमी बारिश दर्ज की गई। गढ़वाल क्षेत्र में अगले एक-दो दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। देहरादून में बुधवार को न्यूनतम तापमान 23.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य है।

मौसम केंद्र ने देहरादून एवं बागेश्वर जिलों में बुधवार को कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने का पूर्वानुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है जबकि दो जुलाई को दिहरी, पौड़ी, नैनीताल, चंपावत, उधमसिंह नगर, पिथौरागढ़ एवं हरिद्वार मे कहीं-कहीं भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। पूर्वानुमान को देखते हुए राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) ने संबंधित जिलाधिकारियों को आवश्यक सतर्कता एवं एहतियाती उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं । अधिकारियों के अनुसार, इन निर्देशों में संवेदनशील क्षेत्रों की सतत निगरानी, राहत और बचाव दलों को हाई अलर्ट पर रखना तथा किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारियों, आपदा प्रबंधन से जुड़े नोडल अधिकारियों एवं भारतीय सुदूर संवेदन उपग्रह (आईआरएस) प्रणाली के अधिकारियों को लगातार सक्रिय रहने और मोबाइल फोन चालू रखने को कहा गया है। इस बीच, मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए बुधवार को बागेश्वर जिले में कक्षा एक से 12 तक के सभी स्कूल बंद रखे गए।

जम्मू-कश्मीर के केसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष की आवासीय संपत्ति को कुर्क किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर। कश्मीर वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (केसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष मुबीन अहमद शाह की आवासीय संपत्ति को अधिकारियों ने बुधवार को कुर्क कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि काउंटर 'इंटेलिजेंस कश्मीर' (सीआईके) की एक टीम ने यहां डलगेट स्थित शाह के आवासीय मकान और भूमि को कुर्क कर लिया।

उन्होंने बताया कि अगस्त 2019 में, केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किये जाने से पहले शाह को गिरफ्तार किया गया था और उनके खिलाफ जन सुरक्षा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। बाद में अदालत के आदेश पर शाह को रिहा कर दिया गया, जिसके बाद वह मलेशिया चले गये। पिछले वर्ष दिसंबर में एनआईए की एक अदालत ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था।

देश में एक साथ चुनाव वक्त की जरूरत : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने देश में एक साथ चुनाव को वक्त की जरूरत बताते हुए बुधवार को कहा कि अगर लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं तो इससे ऊर्जा, समय और संसाधनों की बड़ी बचत होगी। गुप्ता ने यह भी कहा कि बार-बार होने वाले चुनावों के कारण प्रशासनिक व्यवस्था लंबे समय तक चुनावी प्रक्रिया में व्यस्त रहती है तथा आचार संहिता लागू होने से विकास कार्य प्रभावित होते हैं और सरकारी तंत्र का बड़ा हिस्सा चुनावी दायित्वों में लग जाता है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से दिल्ली जैसे छोटे राज्य में चुनाव के दौरान बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारियों की ड्यूटी लगने से शिक्षा व्यवस्था सहित अनेक सार्वजनिक सेवाएं प्रभावित होती हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के मुताबिक, गुप्ता ने यह टिप्पणी दिल्ली सचिवालय में एक देश एक चुनाव' से जुड़े दो संशोधन विधेयकों पर चर्चा के लिए आए संसद की संयुक्त संसदीय समिति के प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए की। इसमें कहा गया है कि यह समिति संविधान (129वां संशोधन) विधेयक, 2024 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 के विभिन्न प्रावधानों पर राज्यों एवं अन्य हितधारकों से सुझाव प्राप्त करने के उद्देश्य से आई थी। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार इस महत्वपूर्ण विषय पर पूरी गंभीरता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समिति को अपने विस्तृत सुझाव भी उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रहित में एक ऐसी व्यवस्था विकसित की जानी चाहिए जिससे सरकारें बिना अनावश्यक व्यवधान के पूरे मनोयोग से जनता के विकास के लिए कार्य कर सकें।

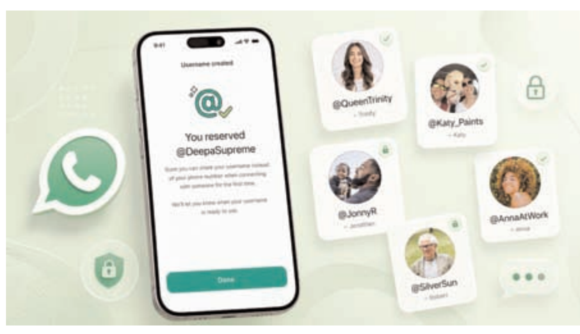

सरकार व्हाट्सऐप की 'यूजरनेम फीचर' की कर रही है जांच

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार व्हाट्सऐप की 'यूजरनेम' विशेषता सुविधा पर गौर कर रही है। इसको लेकर इस बात की चिंता है कि इसका उपयोग किसी और का रूप धारण करने और धोखाधड़ी के लिए किया जा सकता है। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने यह जानकारी दी।

मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग मंच व्हाट्सऐप ने 'यूजरनेम' फीचर लाने की घोषणा की है। सूत्रों ने बताया कि सरकार संभावित जोखिमों का आकलन करेगी। मेटा के स्वामित्व वाले इस मंच की हाल की घोषणा से चिंताएं पैदा हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस विशेषता से उपयोगकर्ता ऐसे 'यूजरनेम' चुन सकते हैं जो असली एजेंसियों और दूसरी संस्थाओं के नामों से मिलते-जुलते हों। इससे धोखाधड़ी की संभावना बढ़ सकती है। साथ ही, इसका सार्वजनिक सुरक्षा और समाज पर बुरा असर पड़ सकता है। सूत्रों ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय सुरक्षा या सार्वजनिक सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगी। मेटा के स्वामित्व वाले मैसेजिंग मंच व्हाट्सऐप ने यूजरनेम' विशेषता लाने की घोषणा की है। यह एक ऐसी विशेषता है जिससे 'यूजर' यानी उपयोगकर्ता अपने फोन नंबर शेयर किए बिना बातचीत यानी चैट कर सकेंगे। कंपनी 'यूजरनेम' की यह विशेषता इस साल के आखिर में आधिकारिक तौर पर पेश करेगी। वैसे कंपनी यूजरनेम आरक्षित करने की सुविधा शुरू कर चुकी है।

व्हाट्सऐप ने एक ब्लॉग में लिखा, ''इस सप्ताह से, आप यूजरनेम आरक्षित कर सकते हैं ताकि जब हम इस साल के आखिर में इस फीचर को पेश करें तो आप उसका इस्तेमाल कर सकें।'' मैसेजिंग मंच के अनुसार, इस कदम का मकसद फोन नंबर शेयर की जरूरत को समाप्त कर उपयोगकर्ता की खासकर समूह चैट में या नए लोगों से जुड़ते समय निजता को मजबूत करना है।

नितिन नवीन का 'उपहास उड़ाने' पर भाजपा ने रेवंत रेड्डी की निंदा की

नई दिल्ली। भाजपा ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का ''उपहास उड़ाने'' का आरोप लगाते हुए बुधवार को उनकी निंदा की और कहा कि राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार के साथ रेड्डी का ''अहंकार'' टूट जाएगा। रेड्डी ने मंगलवार को नवीन की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से 2028 के तेलंगाना चुनाव में भाजपा की जीत के इरादे से काम करने को कहा था। रेड्डी ने कहा कि पार्टी को प. बंगाल विस चुनाव जीतने में 15 साल लग गए और तेलंगाना में भी उसका यही हाल होगा।

हैदराबाद में कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा, ''हाल में एक व्यक्ति यहां आए थे, नवीन या जो भी नाम हो... मुझे उनका नाम ठीक से नहीं पता। लेकिन वह यहां आकर कहते हैं कि अगली सरकार उनकी होगी। आपने प.बंगाल के बारे में भी यही बात कही थी। बंगाल में सरकार बनाने में आपको 15 साल लग गए। आपकी चालें वहां इसलिए काम कर गईं क्योंकि ममता बनर्जी वहां सत्ता में थीं। यहां, हमारे सभी लोग तैयार हैं और वे आपको कुचल देंगे।''

उच्च न्यायालय ने सांसद राघव चड्ढ़ा के खिलाफ आपत्तिजनक पोस्ट हटाने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को सांसद राघव चड्ढा को निशाना बनाने वाली कुछ आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री को हटाने का आदेश दिया। आम आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए चड्ढा ने इससे पूर्व कथित तौर पर दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत सोशल मीडिया पोस्ट के प्रकाशन के खिलाफ उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया था। उन्होंने कहा था कि ये पोस्ट उनकी प्रतिष्ठा और उनके व्यक्तित्व के अधिकारों के लिए बेहद नुकसानदेह थीं। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने मामले में अंतरिम आदेश सुनाते हुए कहा, मैंने कहा कि इसमें व्यक्तित्व के अधिकार का मामला नहीं है। हालांकि, मैंने उन्हें (कुछ सामग्री को) हटाने के लिए कहा है।

न्यायाधीश ने कहा, ''वैसे सामग्री प्रथम दृष्टया मानहानिकारक नहीं है।'' आदेश की विस्तृत प्रति का इंतजार है। अदालत ने कथित आपत्तिजनक सामग्री को हटाने के लिए अंतरिम राहत के पहलू पर फैसला 21 मई को सुरक्षित रख लिया था। चड्ढा ने अपनी याचिका में सोशल मीडिया मंच पर बड़े पैमाने पर प्रसारित की जा रही गलत, एआई निर्मित और डीपफेक सामग्री को तुरंत हटाने का अनुरोध किया था। उनके मुकदमे में यह दलील दी गई थी कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डीपफेक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करके अनधिकृत रूप से छेड़छाड़ कर सामग्री तैयार की गई थी और इसे प्रसारित किया जा रहा था, जो चड्ढा के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। ऐश्वर्या राय बच्चन, अभिषेक बच्चन और सलमान खान जैसी कई मशहूर हस्तियों, आर्ट ऑफ लिविंग' के संस्थापक श्री श्री रवि शंकर, पत्रकार सुधीर चौधरी, पॉडकास्टर राज शमानी और आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने भी इससे पूर्व अपने व्यक्तित्व और प्रचार से जुड़े अधिकारों की सुरक्षा के लिए उच्च न्यायालय का रुख किया था।

केसीए ने श्रीसंत पर लगा तीन साल का प्रतिबंध हटाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल क्रिकेट संघ (केसीए) ने बुधवार को पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर एस श्रीसंत पर पिछले साल लगाए गए तीन साल के प्रतिबंध को हटा लिया। यह प्रतिबंध केसीए के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के कारण लगाया गया था।

केसीए के बयान के मुताबिक उसकी आम सभा की विशेष बैठक में प्रतिबंध हटाने का फैसला किया। बयान में कहा गया, ''बैठक में सर्वसम्मति से प्रतिबंध हटाने का फैसला किया गया। साथ ही केसीए ने श्रीसंत को चेतावनी दी कि अगर वह भविष्य में ऐसी हरकतें दोहराते हैं तो उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।'' बयान में कहा गया है कि यह फैसला क्रिकेटर के बिना शर्त माफी मांगने और केसीए के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए खेद जताने के बाद किया गया। बयान के अनुसार श्रीसंत पर यह प्रतिबंध पिछले केरल क्रिकेट लीग के मुकाबलों से पहले लगाया गया था। उन्होंने कथित तौर पर टीवी और सोशल मीडिया पर केसीए के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। आरोप है कि श्रीसंत ने चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम में संजू सैमसन को शामिल नहीं किए जाने से जुड़े विवाद के सिलसिले में केसीए के खिलाफ झूठे और अपमानजनक बयान दिए। टीवी पर हुई एक चर्चा के दौरान श्रीसंत ने कथित तौर पर सैमसन को अपना समर्थन देने और उनकी तथा केरल के अन्य खिलाड़ियों की रक्षा करने का वादा किया। उन्होंने साथ ही केसीए पर आरोप भी लगाए। उनके ये बयान तब आए जब केसीए की इस बात के लिए आलोचना हो रही थी कि उसने विजय हजारे ट्रॉफी के लिए केरल की टीम से सैमसन को बाहर कर दिया।

माना जाता है कि इससे भारत की चैंपियंस ट्रॉफी टीम में उनके चुने जाने की संभावनाओं पर असर पड़ा था। केसीए द्वारा प्रतिबंध लगाए जाने के बाद श्रीसंत ने दावा किया था कि उन्होंने बस संजू के प्रति समर्थन जताया था। उन्होंने कहा था, ''मैंने बस यही एक अच्छा काम किया है। मैंने संघ के खिलाफ और कुछ नहीं कहा है।'' इसके बाद उन्होंने केसीए के फैसले को चुनौती देते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था लेकिन उनकी याचिका खारिज कर दी गई थी।

ईरान ने खामेनेई की अंतिम विदाई के कार्यक्रम के लिए खरगे, खुर्शीद व खेड़ा को आमंत्रित किया

नई दिल्ली/भाषा। ईरान की सरकार ने अपने सर्वोच्च नेता रहे अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम विदाई से जुड़े कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद और पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा को आमंत्रित किया है। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस अपने विदेश विभाग के प्रमुख खुर्शीद को भेज सकती है। सूत्रों ने बताया, ''ईरान की सरकार की तरफ से कांग्रेस अध्यक्ष को आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम के लिए कांग्रेस की तरफ से किसी नेता को भेजा जाएगा। संभवत: खुर्शीद को भेजा जाए।'' खेड़ा का कहना था कि उन्हें निमंत्रण मिला है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष इस बारे में फैसला करेंगे कि वहां पार्टी की तरफ से कौन जाएगा। खेड़ा कांग्रेस के उन नेताओं में शामिल थे, जिन्होंने यहां ईरानी दूतावास पहुंचकर खामेनेई के निधन पर संवेदना प्रकट की थी। खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़ीं रस्में पांच से नौ जुलाई तक होंगी। खामेनेई तीन दशकों तक ईरान के सर्वोच्च नेता रहे। वह 28 फरवरी को इजराइल और अमेरिका द्वारा संयुक्त रूप से ईरान पर किये गए हमले में मारे गए थे। खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम पांच, छह और सात जुलाई को तेहरान और कोम में आयोजित किये जाएंगे जबकि अंतिम कार्यक्रम नौ जुलाई को मशहद शहर में होगा।

'विकसित गुजरात 2047' की रूपरेखा जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को 'विकसित गुजरात 2047 के कार्यान्वयन की रूपरेखा' जारी की। यह एक ऐसी कार्ययोजना है, जिसका उद्देश्य राज्य के दीर्घकालिक विकास दृष्टिकोण को तय समयसीमा के भीतर विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वित प्रयासों से धरातल पर उतारना है।

यह कार्ययोजना गुजरात राज्य परिवर्तन संस्थान (जीआरआईटी) और सामान्य प्रशासन विभाग के योजना प्रभाग ने मिलकर तैयार की है। इसकी शुरुआत गांधीनगर में कैबिनेट मंत्रियों, मुख्य सचिव एम.के. दास, मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार हसमुख अधिया और वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में की गयी।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्ययोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के विजन के अनुरूप है और गुजरात के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा, ''इस कार्ययोजना से यह स्पष्ट होगा कि क्या काम करना है, किसे करना है और उसे किस समय-सीमा में पूरा करना है। इससे सरकार की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनेगी।'' पटेल ने कहा कि इस योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से लोगों के जीवन स्तर में सुधार होगा, साथ ही, बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे, मजबूत आधारभूत ढांचा, समावेशी विकास और सतत प्रगति के जरिये नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता बेहतर होगी। पटेल ने कहा कि गुजरात ने लंबे समय की रणनीतिक योजना और बेहतर शासन को बढ़ावा देने के लिए जीआरआईटी बनाया है, और इसकी रूपरेखा राज्य के ''अच्छी कमाई, अच्छी ज़िंदगी'' के दृष्टिकोण को पूरा करने में मार्गदर्शक की भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि गुजरात एकजुट प्रयासों से अपने विकास लक्ष्यों को हासिल कर लेगा। उन्होंने अधिकारियों से ऊंचे मानक बनाए रखने और गुणवत्ता से समझौता न करने को कहा। मुख्य सचिव एम के दास ने कहा कि राज्य के पास कार्ययोजना को लागू करने के लिए पर्याप्त वित्तीय संसाधन हैं और अब ध्यान प्रतिबद्धता, निगरानी और समय पर समीक्षा पर होना चाहिए।

जमशेदपुर में करणी सेना के नेता की मौत के मामले में तीन लोग गिरफ्तार, निषेधाज्ञा लागू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/भाषा। झारखंड पुलिस ने करणी सेना नेता हिमांशु सिंह की हत्या में कथित रूप से शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी तक शव लेने से इनकार कर रहे हिमांशु के परिवार ने लिखित समझौते के बाद अंतिम संस्कार करने पर सहमति दे दी।

पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन ने कथित छेड़छाड़ के विरोध के दौरान हुई मारपीट और हमले में करणी सेना के स्थानीय नेता की मौत के बाद हिंसक प्रदर्शन की आशंका के मद्देनजर बुधवार को कुछ इलाकों में निषेधाज्ञा लागू कर दी। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित एक बार में कथित छेड़छाड़ का विरोध करने के दौरान शनिवार को हुई मारपीट व हमले में करणी सेना नेता हिमांशु सिंह (28) घायल हो गए थे।

चोटों के कारण सिंह की मौत हो गई, जिसके बाद सोमवार रात बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। कोल्हान क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) अनुरंजन किस्पोट्टा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमने हिमांशु हत्या मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

उनके (हिमांशु के) परिवार के सदस्यों ने कहा था कि जब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया जाता और जिन पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में उन पर चाकू से हमला किया गया था, उनके खिलाफ हत्या का मामला दर्ज नहीं किया जाता, तब तक वे अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। हालांकि, अधिकारियों के साथ समझौते के बाद उन्होंने आज अंतिम संस्कार के लिए शव ले लिया। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात की और उन्हें शव स्वीकार कर अंतिम संस्कार करने के लिए राजी किया। मंगलवार देर रात पोस्टमार्टम किया गया था।

बेंगलूरु में फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु में फुटपाथ से अतिक्रमण हटाने के लिए भारी-भारकम मशीनों के जरिये बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया गया। अभियान के तहत पहले चरण में सड़कों के किनारे लगभग 2,000 किलोमीटर लंबे फुटपाथ को चिन्हित किया गया, जिन पर रेहड़ी-पटरी वालों, दुकानदारों और अन्य अनधिकृत लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है।

ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) और शहर के पांच नगर निगमों के समन्वय से चलाया जा रहा यह अभियान सुबह साढ़े नौ बजे शुरू हुआ। इससे पहले वार्ड और जोन स्तर की योजनाओं को अंतिम रूप दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान उच्चतम न्यायालय के निर्देश के बाद चलाया जा रहा है। उच्चतम न्यायालय ने एक आदेश में कहा था कि फुटपाथ पैदल चलने वालों के लिए होते हैं और उन्हें अवरोधों से मुक्त रखा जाना चाहिए।

अधिकारियों के मुताबिक, शहरी विकास मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने अधिकारियों के साथ दो दौर की बैठकें की थीं और निर्देश दिया था कि इस अभियान में किसी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। अधिकारियों ने कहा, फुटपाथ सार्वजनिक संपत्ति हैं। उनकी रक्षा की जानी चाहिए।

उन्होंने बताया कि पहले चरण में बेंगलूरु में फुटपाथ वाली लगभग 13,000 किलोमीटर लंबी सड़क में से 2,000 किलोमीटर हिस्से को सुरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान बेंगलूरु सेंट्रल सिटी कॉरपोरेशन के वार्ड-153 में शुरू हुआ, जहां जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से अशोक पिलर से माधवन पार्क तक अतिक्रमण हटाया गया। स्थानीय पुलिस, इंजीनियर और नगर निकाय के अधिकारियों ने इस अभियान की निगरानी की, जबकि जब्त किए गए सामान को ट्रक में लादकर ले जाया गया और अस्थायी ढांचों को हटाया गया। अधिकारियों ने कहा कि इस अभियान के दौरान किसी को भी कोई छूट नहीं दी जाएगी।

सेंट्रल सिल्क बोर्ड ने पेंशन अदालत आयोजित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सेंट्रल सिल्क बोर्ड (सीएसबी) ने 30 जून अपने मुख्यालय में एक पेंशन अदालत आयोजित की। इसका मकसद पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों की पेंशन से जुड़ी शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित करना था। इस पेंशन अदालत की अध्यक्षता सीएसबी के निदेशक (वित्त) और आईएएस अधिकारी पी.एस. गिरीशा ने की। इसमें सेंट्रल सिल्क बोर्ड सचिवालय के प्रशासन, लेखा और पेंशन सेल के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। कुल 14 पेंशनभोगियों (जिनमें एक पारिवारिक पेंशनभोगी भी शामिल थे) ने ऑनलाइन माध्यम से कार्यवाही में भाग लिया और नोशनल इंक्रीमेंट, पेंशन में संशोधन, पारिवारिक पेंशन, रिटायरमेंट से जुड़े लाभ और पेंशन से संबंधित अन्य मामलों पर अपनी शिकायतें रखीं। पेंशनभोगियों की सभी शिकायतों की विस्तार से जांच की गई और ज़्यादातर सवालों का समाधान कर दिया गया। साथ ही, तय समय-सीमा के भीतर उनके जल्द निपटारे के लिए उचित निर्देश भी जारी किए गए।

केनरा बैंक ने मनाया अपना स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, केनरा बैंक बुधवार को अपना 121 वां स्थापना दिवस मना रहा है, जो विश्वास, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के एक सदी से अधिक के सफर का प्रतीक है। 1 जुलाई, 1906 को स्थापित केनरा बैंक भारत के प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक बनकर उभरा है। 31 मार्च तक, भारत सरकार की 62.93 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ, बैंक का कुल वैश्विक कारोबार 28,06,226 करोड़ था, जिसमें 12,37,548 करोड़ के वैश्विक ऋण और 15,68,678 करोड़ की वैश्विक जमा राशि शामिल थी। 10,097 शाखाओं, 11,306 एटीएम और कैश रिसाइकलर के नेटवर्क के साथ, 12 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करते हुए, यह वित्तीय समावेशन और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

बैंक ने कृषि, खुदरा ऋण, जिसमें आवास ऋण और एमएसएमई ऋण शामिल हैं, जैसे प्रमुख ऋण क्षेत्रों में एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाया है।

केनरा बैंक भारत के सतत विकास में योगदान देने के लिए हरित वित्तपोषण पहलों को प्रोत्साहित करते हुए, डिजिटल बैंकिंग और ईएसजी-आधारित प्रथाओं को बढ़ावा देकर स्थिरता के प्रति प्रतिबद्ध है।

जैसे-जैसे केनरा बैंक अपनी यात्रा के अगले चरण में प्रवेश कर रहा है, बैंक समावेशी तरीके से नवाचार, स्थिरता और विकास के साथ राष्ट्र निर्माण की दृष्टि का पालन करना जारी रखता है।

बेंगलूरु में हिंदी साइनबोर्ड में तोड़-फोड़ के बाद प्राथमिकी दर्ज

बेंगलूरु। बेंगलूरु में कन्नड़ समर्थक संगठन के सदस्यों ने ''हदी थोपे जाने'' के विरोध में बीईएल सर्कल पर साइनबोर्ड में तोड़-फोड़ की, जिसके बाद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना मंगलवार शाम को हुई। कार्यकर्ताओं का दावा है कि भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) कैंपस के बाहर सार्वजनिक मार्ग पर साइनबोर्ड बिना अनुमति के लगाया गया था।

निर्भीक पत्रकारिता के लिए सिद्धांत और नैतिकता जरूरी : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आज के दौर में निर्भीक पत्रकारिता को एक बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य बताते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बुधवार को कहा कि इस लक्ष्य को हासिल करने का एकमात्र रास्ता सैद्धांतिक और पेशेवर दृष्टिकोण अपनाना है। वह यहां गांधी भवन में 'कर्नाटक मीडिया अकादमी' और 'कर्नाटक श्रमजीवी पत्रकार संघ' द्वारा आयोजित 'पत्रकारिता दिवस' समारोह का उद्घाटन करने के बाद उसे संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, यदि पत्रकार इस पेशे के सिद्धांतों, नैतिकता और अंतरात्मा के अनुरूप काम करेंगे, तो इससे समाज का भला होगा। इसके साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पत्रकारिता जगत को खुद को फर्जी खबरों से मुक्त करने की जरूरत है।

एक उदाहरण देते हुए शिवकुमार ने कहा कि वह नियमित स्वास्थ्य जांच के लिए अस्पताल गए थे, लेकिन कुछ टेलीविजन चैनलों ने झूठा दावा कर दिया कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा, वह खबर पूरी तरह से असत्य थी। मुख्यमंत्री ने इस बात का भी उल्लेख किया कि महात्मा गांधी सहित कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने पत्रकारिता की थी और इस पेशे की गरिमा को बढ़ाया था। उन्होंने पत्रकारों से इस विरासत को आगे बढ़ाने का आग्रह किया।

बेलगावी में आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारकों की तीन दिवसीय वार्षिक बैठक 10 से

नई दिल्ली/बेलगावी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के वरिष्ठ प्रचारक आगामी सप्ताह कर्नाटक के बेलगावी शहर में होने वाली उसकी वार्षिक बैठक में शामिल होंगे, जिसमें जनगणना सहित कई समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। तीन दिवसीय यह बैठक 10 जुलाई से 12 जुलाई तक आयोजित होगी। इसमें संघ की शाखाओं के कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ उनकी संख्या बढ़ाकर संगठन के विस्तार पर भी विचार किया जाएगा।

आरएसएस के राष्ट्रीय मीडिया एवं प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बुधवार को जारी बयान में कहा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक इस वर्ष कर्नाटक के बेलगावी में 10 से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बैठक में देशभर से प्रांत प्रचारक, सह प्रांत प्रचारक, क्षेत्र प्रचारक और सह क्षेत्र प्रचारक भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि संघ की संगठनात्मक संरचना के अनुसार सभी 11 क्षेत्रों और 46 प्रांतों के कार्यकर्ता इसमें शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि बैठक में संघ से प्रेरित 32 संगठनों, जिनमें भाजपा भी शामिल है, के राष्ट्रीय संगठन सचिव भी भाग लेंगे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y/E.29/2026-27/43
दिनांक: 25.06.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1) चिक्कजाजूर जं. (जेआरयू): चिक्कजाजूर जं. (जेआरयू) रेलवे स्टेशन पर पीएफ नं. 4 को हाई लेवेल तक उन्नयन करना। 2) चिक्कजाजूर: चिकजाजूर जं. (जेआरयू) पर आरपीएफ चौकी के नए नामित भवन का निर्माण कार्य।	रु. 19,67,498.6/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथिः 16.07.2026, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जनरल/मैसूरु
PUB/249/AAMO/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं.एसएण्डटी-जेयू-09-2026-27
भारत के राष्ट्रपति की ओर से और उनके लिए मंडल रेल प्रबन्धक/ सं.व.दू.उ. प.रे., जोधपुर द्वारा निम्न लिखित सिगनलिंग एवं टेलीकॉम सम्बन्धी कार्य हेतु मुहरबंद ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। 1. निविदा सूचना सं.:- एसएण्डटी-जेयू-09-2026-27, 2. कार्य का नामः- जोधपुर डिवीजन में IPIS उपकरणों की विश्वसनीयता बढ़ाने और उनके रखरखाव की व्यवस्था का कार्य।, 3. कार्य की अनुमानित लागतः- रुपये 1,58,05,009/-, 4. ई निविदा जमाकर्ता कार्यालय का पूर्ण पताः- वरि. मंडल सिगनल एवं दूरसंचार इंजी. मंडल रेल प्रबन्धक कार्यालय हरीश जौशी मार्ग जोधपुर, 5. बयाना राशि (EMD):- रुपये 3,16,100/-, 6. कार्य पूर्ण करने की अवधिः- 36 माह, 7. ई निविदा प्रपत्र जमा कराने एवं खुलने की तारीख व समयः- 23.07.2026 को 15.00 बजे तक। तथा ई टेंडर ऑन लाईन आई आर ई पी एस 15.00 बजे बन्द होने के तुरन्त बाद खोली जायेगी। 8. वैब साईट विवरण एवं नोटिस बोर्ड व कार्यालय जहाँ से टेण्डर का विवरण देखा जा सकें एवं खरीद की जा सकें।:- www.ireps.gov.in नोटः- यह एक ई टेण्डर हैं इसलिए इसमें भाग लेने के लिए ठेकेदार ई टेण्डरिंग के द्वारा उल्लेखित वैब साईट पर टेण्डर डाले। 933-DO/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

रेल पहिया कारखाना
यलहंका, बेंगलुरु-560 064
वेब साइट: www.rwf.indianrailways.gov.in
ई-टेंडर नोटिस
संख्या: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमडब्ल्यूएफपीएस/2026-27/34 दिनांक: 27/06/2026
ई-टेंडर भारत के राष्ट्रपति की ओर से, प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर वेबसाइट http://www.ireps.gov.in (कार्य) के माध्यम से निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक टेंडर आमंत्रित करते हैं।
टेंडर नंबर: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमडब्ल्यूएफपीएस/2026-27/34 दिनांक: 27/06/2026 काम का नाम: डब्ल्यूएफपीएस के ऑफ़लाइन सुविधा में FR कन्वेयर फैब्रिकेशन एवं प्रतिस्थापन अनुमानित मूल्य ₹ 39,95,270.00 बयाना जमा राशि ₹ 79,900.00 टेंडर बंद होने की तारीख और समय: 20/07/2026 को सुबह 10:30 बजे।
उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/डब्ल्यू-II
ई-टेंडर नोटिस
आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2026-27/35 आरटी दिनांक: 27/06/2026
टेंडर नंबर: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2026-27/35 आरटी दिनांक: 27/06/2026 काम का नाम: ज़रूरत के हिसाब से फ़िल्टर बैग बदलना, प्लीटेड फ़िल्टर बैग की सफ़ाई, फ़्यूम एक्सट्रैक्शन सिस्टम नंबर 1 और 2 की R.C.C. टनल की सफ़ाई और EAF -1, 2 और 3 की वॉटर-कूल्ड लाइनों के डुप्लेक्स फ़िल्टर की सफ़ाई। अनुमानित लागत: ₹7,61,055.76 बयाना जमा राशि: ₹15,200.00 बंद होने की तारीख़ और समय: 20/07/2026 को सुबह 10:30 बजे।
ई-टेंडर नोटिस
आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी/एमएमएस/2026-27/36आरटी दिनांक: 26/06/2026
टेंडर नंबर: आरडब्ल्यूएफ/एम/ओटी एमएमएस/2026-27/36आरटी दिनांक: 26/06/2026 काम का नाम: स्टील मेल्टिंग शॉप की EOT क्रेन और EAF का सालाना मेंटेनेंस शट-डाउन काम 2026- (ग्रुप-1)। अनुमानित लागत: ₹44,10,998.04 बयाना जमा राशि: ₹88,200.00 बंद होने की तारीख और समय: 18/07/2026 को सुबह 10:30 बजे।
पूरा करने की अवधि: 12 महीने
ये टेंडर नोटिस हमारी वेबसाइट www.rwf.indianrailways.gov.in पर देखे जा सकते हैं।
उप-मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/मेल्टिंग

मंगलूरु में बारिश के कारण भूस्खलन से मकान ढहा, तीन लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के मंगलूरु में बुधवार तड़के बारिश के कारण हुए भूस्खलन से एक मकान ध्वस्त हो गया, जिससे दो बच्चियों समेत एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोगों को बचा लिया गया। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि रातभर हुई भारी बारिश के कारण मंगलूरु के नागोरी इलाके में भूस्खलन हुआ और एक मकान ढह गया।

उन्होंने बताया कि मकान गिरने से परिवार के छह सदस्य मलबे में फंस गए। स्थानीय निवासी, अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा के कर्मी और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा लोगों को मलबे से निकालने के लिए अभियान शुरू किया। मृतकों की पहचान शांता (46), उनकी आठ वर्षीय बेटी अनामिका चौरसिया और चार वर्षीय बेटी परी के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने बताया कि बालकृष्ण (48), अलका (14) और अनुष्का (11) को मलबे से जीवित निकाल लिया गया तथा उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बताया कि मूल रूप से बिहार का रहने वाला यह परिवार पिछले दो दशक से कांकानाडी इलाके में रह रहा था। प्रारंभिक तथ्यों से संकेत मिलता है कि लगातार बारिश की वजह से एक पहाड़ी से मिट्टी का एक बड़ा ढेर मकान पर आ गिरा जिससे वह ढह गया।राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के कर्मी भी तलाश एवं बचाव अभियान में शामिल हुए और तीन व्यक्तियों के शव मलबे से बाहर निकाले गए जिसके बाद बचाव अभियान समाप्त हो गया। दक्षिण कन्नड़ के उपायुक्त दर्शन ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया और बचाव अभियान की निगरानी कर रहे अधिकारियों से जानकारी ली। जिला प्रशासन ने तटीय जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के मद्देनजर पहाड़ी इलाकों और भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सतर्क रहने तथा आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। जिला अधिकारियों ने घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र का अध्ययन भी शुरू कर दिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वहां रहना लोगों के लिए सुरक्षित है या नहीं।

द्रमुक प्रमुख स्टालिन ने पार्टी पुनर्गठन के लिए सलाहकार समिति गठित की

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने 10 सदस्यीय पार्टी 'पुनर्गठन सलाहकार समिति' गठित की है जो चुनाव नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों से मिली प्रतिक्रियाओं पर गौर करेगी तथा भावी चुनावों में जीत हासिल करने के लिए शाखा स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक पार्टी के ढांचे में बदलाव की सिफारिश करेगी। स्टालिन ने विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद जमीनी हालात का जायजा लेने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं से बातचीत करने के मकसद से बनाई गई 38 सदस्यीय समिति का जिक्र करते हुए कहा कि वह उन्हें सौंपी गई रिपोर्ट का अध्ययन कर रहे हैं।

भाजपा नेता राम माधव पाकिस्तान के सेवानिवृत आईएसआई अधिकारी से क्यों मिले? : हरिप्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष बी. के. हरिप्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी नेता राम माधव और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक सेवानिवृत मेजर जनरल के बीच हुई कथित मुलाकातों को लेकर बुधवार को सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस को इन मुलाकातों का मकसद बताना चाहिए, खासकर तब, जब माधव आगामी जीबीए चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी हैं। बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए हरिप्रसाद ने भाजपा पर आरोप लगाया कि उसने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बयानों को गलत तरीके से पेश किया है। उन्होंने इस प्रक्रिया के तहत मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिशों का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने मंदिर के दान में कथित गड़बड़ियों की जांच की मांग की। उन्होंने वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट के हिसाब से पेट्रोल

और डीजल की कीमतें कम करने की भी मांग की। हरिप्रसाद ने पूछा, हम राम माधव का जिक्र इसलिए कर रहे हैं क्योंकि वह अगस्त में होने वाले ग्रेटर बेंगलूरु प्राधिकरण (जीबीए) चुनावों के लिए भाजपा के प्रभारी हैं। जीबीए चुनावों के सिलसिले में कोलंबो जाकर आईएसआई से बात करने का क्या मकसद था? क्या विदेश मंत्रालय ने भारत की विदेश नीति राम माधव को सौंप दी है? क्या इसे आरएसएस को सौंप दिया गया है?। मीडिया में आई खबरों का हवाला देते हुए उन्होंने दावा किया कि राम माधव कोलंबो में आईएसआई के एक सेवानिवृत मेजर जनरल से मिले थे और आरोप लगाया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दो महीने बाद लंदन में भी ऐसी ही एक बैठक हुई थी।

उन्होंने मांग की कि माधव बताएं कि इसका मकसद क्या था और आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा देश की नीति को पूरी तरह बदल रहे हैं। माधव पहले ही इस आरोप को खारिज कर चुके हैं। माधव ने 27 जून को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, यह पूरी तरह से गलत है। यह 'ट्रैक 2' बातचीत नहीं थी। यह आईआईएसएस का सालाना 'दक्षिण एशिया संवाद' था, जिसमें भारत, श्रीलंका, अमेरिका, ब्रिटेन, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के विद्वान शामिल हुए थे। पहले भी अधिकारी इस सालाना बातचीत में शामिल होते रहे हैं। इतने अधिक देशों के साथ 'ट्रैक 2' बातचीत नहीं होती। मैं दो दिन की इस बातचीत में शामिल नहीं हुआ था। मुझे एक सत्र में बोलने के लिए बुलाया गया था, मैंने अपना भाषण दिया और चला आया।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर बस और ट्रक की टक्कर में आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर बुधवार तड़के एक बस के ट्रक से टकरा जाने के बाद दोनों वाहनों में आग लग गई जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह हादसा कोलवा थाना क्षेत्र में धनावड़ा के पास हुआ।

दौसा के पुलिस अधीक्षक पीयूष दीक्षित ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि हादसे में छह लोग जिंदा जल गए, जबकि दो की मौत सिर में गंभीर चोट लगने के कारण हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिंदा जले छह मृतकों की पहचान के लिए डीएनए जांच करवाई जाएगी। इसके बाद ही परिजनों को शव सौंपे जाएंगे।

उन्होंने कहा, सिर पर गंभीर चोट लगने से जान गंवाने वाले दो लोगों में से एक की पहचान धर्मसिंह और दूसरा परिचालक कुलदीप वाल्मीकि के रूप में हुई है। अपर पुलिस अधीक्षक शंकर लाल ने बताया कि अन्य मृतकों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि हादसे में घायल हुए 24 लोगों की हालत स्थिर है। पुलिस अधीक्षक ने कहा, उत्तराखंड के ऋषिकेश से इंदौर जा रही हंस ट्रेवल्स की बस दिल्ली–मुंबई एक्सप्रेसवे पर आगे चल रहे एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर के बाद बस और ट्रक दोनों में आग लग गई, जिससे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई।

उन्होंने बताया कि घायलों को सुरक्षित निकालकर उपचार के लिए दौसा जिला अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचीं तथा राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। बाद में आग पर काबू पा लिया गया। दौसा अस्पताल के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ.आर.के. मीणा ने बताया कि घायलों की हालत फिलहाल स्थिर है।

उन्होंने कहा, आठ लोगों की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले ही हो गई थी। अस्पताल में 14 घायलों को भर्ती किया गया था, जिसमें चार को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी है जबकि दस अन्य लोग अभी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। जिला अस्पताल, दौसा के उपनियंत्रक डॉ. चेनसिंह ने 'पीटीआई–भाषा' को बताया कि आठ मृतकों में से छह की शिनाख्त जलने के कारण संभव नहीं है। पहचान के लिए परिजनों के आने के बाद डीएनए जांच किये जायेंगे।

अस्पताल में भर्ती इंदौर की एक महिला ने 'पीटीआई–वीडियो' से कहा, हम जम्मू–कश्मीर स्थित वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन कर घर लौट रहे थे। तभी आगे चल रहे ट्रक से टकराने के बाद बस में आग लग गयी। हादसे में मेरी बेटी घायल हो गई, जबकि मेरे पति अब भी लापता हैं। एक अन्य घायल ने बताया, मैं, मेरा बेटा और मेरी पत्नी सो रहे थे कि अचानक बस आगे चल रहे ट्रक से टकरा गई। हम चालक के ठीक पीछे वाली सीट पर बैठे थे। मुझे नहीं पता कि चालक को झपकी आ गई थी या नहीं।

उन्होंने कहा, टक्कर के झटके से मेरी पत्नी खिड़की से बाहर जा गिरी और बस के उस हिस्से में फंस गई, जिसमें कुछ ही देर बाद आग लग गई। मेरी आंखों के सामने वह जिंदा जल गई। घटनास्थल पर पहुंचे दौसा के सांसद मुरारी लाल मीणा ने कहा, मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। प्रभावित परिवारों की हर संभव सहायता के लिए पूरा प्रशासन जुटा हुआ है।''

महवा विधायक राजेन्द्र मीणा ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और उपचार में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने तथा सभी को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिये । जिला कलक्टर सौम्या झा ने हादसे की जांच के लिए आठ सदस्यीय टीम बनाई है। टीम को जल्द से जल्द जांच कर रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए गए हैं।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने भीषण सड़क हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से मृतकों की शांति और शोक संतप्त परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है। उन्होंने हादसे में घायलों के जल्द स्वस्थ होने की भी कामना की है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों को दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

बीस साल बाद पांचना बांध के पानी पर बनी सहमति, जल्द नहरों में छोड़ा जाएगा पानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले के पांचना बांध के जल वितरण को लेकर लंबे समय से चला आ रहा विवाद राज्य सरकार की मध्यस्थता में मंगलवार देर रात यहां हुई बैठक में सभी पक्षों के बीच समझौता हो गया। अधिकरियों ने इसकी जानकारी दी। यह समझौता मंगलवार देर रात जयपुर में आयोजित बैठक में अंतिम रूप से हुआ। बैठक में ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम मौजूद रहे। बैठक में किसान प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने भी भाग लिया।

पांचना बांध की की जल भंडारण क्षमता करीब 2,100 मिलियन क्यूबिक फीट है और यह लगभग 10,000 हेक्टेयर कृषि भूमि की सिंचाई करता है। हालांकि, किसानों और स्थानीय लोगों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विवाद के कारण वर्ष 2006 से कमांड क्षेत्र की नहरों में पानी नहीं छोड़ा गया था। बांध के आसपास के 21 गांवों के निवासी मांग कर रहे थे कि नहरों में पानी छोड़े जाने से पहले उनके गांवों के लिए लिफ्ट सिंचाई योजना के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाए। यह विवाद करीब दो दशकों से लंबित था।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष 2026–27 के राज्य बजट में इन 21 गांवों के लिए लिफ्ट सिंचाई योजना की घोषणा की थी। इस घोषणा से वार्ता के लिए अनुकूल माहौल बना। उन्होंने बताया कि सरकार ने 11.5 करोड़ रुपये की लागत से नहर तंत्र की मरम्मत और पुनर्स्थापन का कार्य भी शुरू कराया, जो अब लगभग पूरा होने की स्थिति में है। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि सरकार के सकारात्मक रुख और किसानों व स्थानीय लोगों की बातचीत के लिए दिखाई गई तत्परता के कारण सहमति बन सकी। उन्होंने कहा, सरकार ने दोनों पक्षों की जायज मांगों को स्वीकार किया है। विभाग सात दिन के भीतर बांध से पानी छोड़े जाने की तिथि तय करेगा। नहर प्रणाली का तकनीकी परीक्षण और आकलन किया जाएगा तथा शीघ्र ही नहरों में पानी प्रवाहित किया जाएगा।

रावत ने यह भी आश्वासन दिया कि कमांड क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करने और लिफ्ट सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का कार्य भी शुरू किया जाएगा। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने इस समझौते का स्वागत करते हुए सभी पक्षों से नहरों में जल्द पानी छोड़े जाने के लिए सहयोग करने की अपील की।

ग्रामीण विकास मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने लंबे समय से लंबित विवाद के समाधान के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया और किसानों तथा स्थानीय लोगों से आपसी समन्वय और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (जल संसाधन) अभय कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, संभागीय एवं जिला प्रशासन के अधिकारी तथा जल संसाधन विभाग के अभियंता भी मौजूद रहे। उन्होंने सरकार द्वारा विवाद के समाधान के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी दी।

गुड़ला संघर्ष समिति, ग्रामोत्थान संस्था और गंभीर नदी जल संरक्षण समिति के प्रतिनिधियों ने भी इस समझौते का स्वागत किया। हाल के सप्ताहों में पंचना बांध से पानी छोड़े जाने को लेकर विवाद तेज हो गया था। बांध के ऊपरी क्षेत्र (अपस्ट्रीम) के गांवों के निवासी जलाशय पर अपने अधिकार का हवाला देते हुए पानी छोड़े जाने का विरोध कर रहे थे। वहीं, निचले क्षेत्र (डाउनस्ट्रीम) के कमांड क्षेत्र के किसान सिंचाई के लिए नहरों में पानी छोड़े जाने की मांग कर रहे थे। इस टकराव के कारण दोनों पक्षों की ओर से प्रदर्शन किए गए। करौली–गंगापुर सिटी सीमा के पास लोग लगातार धरना–प्रदर्शन कर रहे थे।

पंजाब में टेम्पो-ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराया, राजस्थान के चार तीर्थयात्रियों की मौत

चंडीगढ़/जयपुर। पंजाब के बठिंडा जिले में बुधवार सुबह बठिंडा–डबवाली राजमार्ग पर एक टेम्पो–ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया, जिससे उसमें सवार राजस्थान के दो दंपति की मौत हो गई और आठ अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना जोधपुर रोमाना गांव के पास उस समय हुई, जब राजस्थान के बाड़मेर जिले के बालोतरा से तीर्थयात्रियों का एक समूह तीन जुलाई से शुरू हो रही वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू–कश्मीर जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में महिंदर कुमार और उसकी पत्नी मनीषा तथा पंकज कुमार और उसकी पत्नी डिंपल शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों को तुरंत अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) बठिंडा ले जाया गया, जबकि चारों मृतकों के शव को सिविल अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया। पुलिस उप अधीक्षक एचएस सरा ने बताया कि सभी घायलों की हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि हादसे में टेम्पो–ट्रैवलर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

कड़ी सुरक्षा के बीच डकैत जगन गुर्जर का अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले के भवुतीपुरा गांव में बुधवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कुख्यात डकैत जगन गुर्जर का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए जगन के तीनों भाइयों (पप्पू गुर्जर, लाल सिंह और पान सिंह) को अलग–अलग पुलिस टीम की निगरानी में जेल से भवुतीपुरा लाया गया। पप्पू गुर्जर जहां अजमेर जेल में कैद है, वहीं लाल सिंह और पान सिंह धौलपुर जेल में बंद हैं। जगन के अंतिम संस्कार के दौरान गांव में अजमेर जेल प्रशासन, धौलपुर विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और धौलपुर पुलिस की कई टीम तैनात की गई थीं।

इससे पहले बुधवार सुबह जगन का शव अजमेर से उसके पैतृक गांव ले जाया गया। जगन की 29 जून को अजमेर की उच्च सुरक्षा वाली जेल में बंद एक अन्य कैदी विष्णु ने कथित तौर पर तौलिये से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद जगन के परिजन ने मंगलवार को अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के मुर्दाघर के बाहर धरना दिया और उसका शव लेने से इनकार कर दिया। हालांकि, बाद में पुलिस और प्रशासन के साथ बातचीत के बाद परिजन उसका शव लेने के लिए राजी हो गए।

जगन के परिजन उसकी हत्या से जुड़े मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग कर रहे हैं।

धौलपुर निवासी जगन विभिन्न थानों में दर्ज 100 से अधिक आपराधिक मामलों में आरोपी था। वह वर्ष 2008 में उस समय सुर्खियों में आया था, जब उसने तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के धौलपुर स्थित आवास को बम से उड़ाने की धमकी दी थी। बाद में वर्ष 2009 में उसने कांग्रेस नेता सचिन पायलट की मौजूदगी में आत्मसमर्पण कर दिया था।

जून 2019 में जगन को दो महिलाओं के साथ मारपीट करने और उनके कपड़े फाड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। फरवरी 2022 में उस पर तत्कालीन कांग्रेस विधायक गिर्राज मलिंगा को जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा था। जगन ने वर्ष 1994 में अपराध की दुनिया में कदम रखा था। वह राजस्थान और मध्यप्रदेश में चंबल के बीहड़ में लंबे समय तक सक्रिय रहा।

डीबीटी से योजनाओं का लाभ सीधे जरूरतमंद तक पहुंचा : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर्र। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि तकनीक केवल सुविधा का साधन न होकर सामाजिक समावेशन एवं जनकल्याण का प्रमुख माध्यम बने। डिजिटल शासन का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई भी नागरिक विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डीबीटी के माध्यम से हर योजना का लाभ सीधे लाभार्थी के खाते में पहुंचाया है। जन–धन, आधार और मोबाइल के जरिये बिचैलियों का दखल खत्म किया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल कर तकनीक को आर्थिक विकास का साधन बनाया।

मुख्यमंत्री बुधवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) में दो दिवसीय 29वें राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा है कि ई–गवर्नेंस को आसान, प्रभावी और किफायती बनाया जाए। इसी क्रम मेंयूपीआई आज लेनदेन का आसान जरिया बन चुका है। शासन को अधिक प्रभावी, पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक–केंद्रित बनाने में एआई, डेटा विश्लेषण, डिजिटल ढांचा और साइबर सुरक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में तकनीक को जनकल्याण का प्रभावी माध्यम बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। राजस्थान संपर्क जन–अभियोग निवारण का प्रभावी मंच बन चुका है। इस प्लेटफॉर्म से हर महीने ढाई से तीन लाख शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण हो रहा है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं राजस्थान संपर्क पर शिकायतों का निवारण करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने राजस्थान एआई–एमएल पॉलिसी 2026 लागू की है। इसके जरिए एआई के उपयोग से प्रशासन, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक कार्यों का आधार तैयार हुआ है। वहीं, एवीजीसी एंड एक्सआर पॉलिसी लागू कर एनिमेशन, गेमिंग, विजुअल इफेक्ट्स और डिजिटल तकनीकों में युवाओं के लिए नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एआई एवं क्वांटम कम्प्यूटिंग मिशन की भी शुरुआत की है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान देश के अग्रणी स्टार्टअप राज्यों में तेजी से उभर रहा है। पिछले दो वर्षों में यहां स्टार्टअप्स की संख्या 4 हजार से बढ़कर साढ़े आठ हजार से अधिक हो गई है। वहीं, निवेश 250 करोड़ रुपये से बढ़कर एक हजार करोड़ रुपये और रोजगार सृजन का आंकड़ा 22 हजार से बढ़कर 47 हजार से अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नवाचार को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश में 9 इन्क्यूबेशन सेंटर और 65 लॉन्चपैड स्थापित किए हैं। आई–स्टार्ट कार्यक्रम के माध्यम से हजारों युवाओं को उद्यमिता से जोड़ा गया है तथा स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण एवं स्कूली स्तर पर भी डिजिटल ढांचा सशक्त किया गया है। इसी क्रम में 65 आई–स्टार्ट लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित कर 1 लाख 28 हजार से अधिक विद्यार्थियों को नवाचार और उद्यमिता से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचे को सशक्त करने के उद्देश्य से 1 हजार 686 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क का विस्तार किया है जिससे हजारों सरकारी भवन जुड़े हैं। वहीं, 3 हजार 200 से अधिक ग्राम पंचायतों में 12 हजार 500 से अधिक हाई–स्पीड इंटरनेट कनेक्शन स्थापित किए गए हैं। राजस्थान में 79 हजार से अधिक ई–मित्र कियोस्कों के माध्यम से 900 से अधिक सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए एआई आधारित फोटो सत्यापन और ई–केवाईसी जैसी व्यवस्थाएं लागू की गई हैं। साइबर हमलों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटने के लिए आधुनिक साइबर लैब और साइबर रेंज प्लेटफॉर्म तैयार किए गए हैं ताकि हमारा डिजिटल ढांचा पूरी तरह सुरक्षित रहे। नागरिकों की सुरक्षा के दृष्टिगत सार्वजनिक स्थानों तथा शैक्षणिक संस्थानों में 25 हजार से अधिक निगरानी कैमरे शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल पहचान एवं आधार सत्यापन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राजस्थान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में तीन होटलों पर चला बुलडोजर

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर में 13 साल की लड़की से हुए सामूहिक दुष्कर्म के मामले में प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को मामले से जुड़े तीन होटलों को ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अब तक इस मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। भारी पुलिस और प्रशासनिक मौजूदगी के बीच जेसीबी मशीनों से होटल खुंगर, जॉय इन और होटल सफायर को जमींदोज कर दिया गया। इस दौरान पूरा क्षेत्र पुलिस छावनी में तब्दील हो गया।

ध्वस्तीकरण अभियान उप प्रभागीय मजिस्ट्रेट नयन गौतम, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक शर्मा, उपाधीक्षक विष्णु खत्री और 50 से अधिक पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में किया गया। किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने कहा, अब तक 14 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जांच जारी है और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। किसी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। मामला 23 जून को सामने आया था जब पुलिस ने शहर के एक होटल पर छापा मारकर नाबालिग लड़की को कैद से मुक्त कराया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि होटल मालिक और प्रबंधक उसे कैद में रखकर अलग–अलग लोगों को बुलाकर सामूहिक दुष्कर्म करा रहे थे।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर खिलौना बैंक प्रवेशोत्सव एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 3–6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शाला पूर्व शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग के आईसीडीएस निदेशालय द्वारा बुधवार, 01 जुलाई 2026 को प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केंद्रों पर खिलौना बैंक, प्रवेशोत्सव एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग की शासन सचिव श्रीमती पूनम ने जयपुर स्थित गौतमनगर आंगनबाड़ी केंद्र पर खिलौना बैंक का शुभारम्भ किया।

शासन सचिव ने नव प्रवेश पाने वाले बच्चों का तिलक लगवाकर स्वागत करवाया तथा नव बच्चों को प्रवेश किट दिए। उन्होंने बच्चों के साथ खेल–आधारित गतिविधियों में सहभागिता की। उन्होंने खिलौना बैंक के लिए बच्चों को खिलौने भेंट किए और बच्चों के साथ बैठकर पेंटिंग बनवाई। उन्होंने बच्चों को पेंटिंग किट और टॉफी–चॉकलेट भी वितरित किये और आत्मीय संवाद स्थापित किया तथा उनका उत्साहवर्धन किया।

शासन सचिव श्रीमती पूनम ने इस दौरान नव प्रवेश वाले बच्चों के आंगनबाड़ी केंद्र पर उपस्थित अभिभावक से भी बातचीत की और उन्हें बच्चों के अच्छे भविष्य निर्माण हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र परिसर में पौधारोपण भी किया।

स्टार्टअप प्रोत्साहन के लिए सरकारी खरीद प्रक्रिया में अनुभव तथा न्यूनतम टर्नओवर बाधाएं समाप्त : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत – विकसित राजस्थान 2047 के विजन को साकार करने के लिए राज्य में डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। ई–गवर्नेंस के माध्यम से नागरिक केंद्रित सेवाओं में पारदर्शिता बढ़ी है, त्वरित सेवाओं से समय और लागत की बचत हो रही है। साथ ही, बेहतर रिकॉर्ड प्रबंधन और नीतिगत निर्णयों में मदद भी मिल रही है।

मुख्यमंत्री बुधवार को आरआईसी में 29वें राष्ट्रीय ई–गवर्नेंस सम्मेलन के बाद राउण्ड टेबल वार्ता में उद्योग प्रतिनिधियों से संवाद कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजस्थान केवल पर्यटन और विरासत का ही प्रदेश नहीं, बल्कि भारत के डिजिटल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला राज्य बन रहा है। यहां 100 से अधिक विश्वविद्यालय, लगभग 4 हजार कॉलेज हैं। प्रतिवर्ष ढाई लाख से अधिक युवा कॉलेज की पढ़ाई पूरी कर रोजगार के लिए तैयार होते हैं, ये हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने कहा कि आईस्टार्ट के माध्यम से प्रदेश में 8 हजार 700 से अधिक स्टार्टअप विकसित हुए हैं। जिनमें एक हजार करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है तथा 48 हजार से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित हुए हैं। हमारा उद्देश्य युवाओं की प्रतिभा को नवाचार, अनुसंधान और उद्यमिता से जोड़कर वैश्विक अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि एआई एक्सीलेंस सेंटर के माध्यम से उद्योग, स्टार्टअप, शिक्षण संस्थान तथा सरकार के बीच नवाचार आधारित साझेदारी को मजबूत किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि एसटीटी जीडीसी जैसी वैश्विक कंपनी ने जयपुर में एआई रेडी डेटा सेंटर स्थापित किया है। इसके साथ ही अनेक अग्रणी कंपनियां राजस्थान में निवेश कर रही हैं। राज्य को डेटा सेंटर क्षेत्र में 43 हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनमें एसटीटी जीडीसी, एचजी एकाया, नायो बोल्ट तथा ज्टूडियम जैसी कंपनियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बिजली, भूमि उपलब्धता, सिंगल विंडो क्लियरेंस तथा उद्योग–अनुकूल नीतियों के माध्यम से राजस्थान को भारत का पसंदीदा एआई एवं डेटा सेंटर निवेश गंतव्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। राजस्थान एआई, डेटा सेंटर, जीसीसी, ड्रोन तथा जियो स्पेशियल क्षेत्रों में देश की सबसे प्रगतिशील नीतियों पर कार्य कर रहा है।

पिछली सरकारों की स्वास्थ्य ढांचे की अनदेखी का खामियाजा भुगत रहा बंगाल : मुख्यमंत्री शुभेन्दु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता। 'चिकित्सक दिवस' के मौके पर, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल की पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था को जर्जर हालत में छोड़ दिया था और उनकी सरकार इसके नतीजों से निपट रही है। यह दिन मशहूर चिकित्सक और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बिधान चंद्र रॉय के सम्मान में मनाया जाता है, जिनकी जयंती और पुण्यतिथि दोनों एक जुलाई को ही आती हैं। इस मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, अधिकारी ने पश्चिम बंगाल के सरकारी अस्पतालों की हालत की ओर ध्यान दिलाया।

उन्होंने कहा, क्या राज्य के अस्पतालों की यह खराब हालत सही है? पश्चिम बंगाल में दुनिया के किसी भी देश से मुकाबला करने की काबिलियत है। लेकिन पिछली सरकार के कार्यकाल में क्या हुआ? राज्य के स्वास्थ्य देखभाल सेक्टर को फिर से बेहतर बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने का आह्वान करते हुए, राज्य में भारतीय जनता पार्टी के पहले मुख्यमंत्री ने सभी से राज्य के स्वास्थ्य ढांचे को जर्जर हालत से बाहर निकालने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। अधिकारी ने कहा, हमें राज्य की स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना को फिर से बेहतर बनाना होगा। मैं सभी से इसके लिए एकजुट होने की अपील करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पहल लागू करने की कोशिश करते समय उन्हें लगातार उस स्थिति का सामना करना पड़ रहा है, जिसे उन्होंने बरसों से चले आ रहे प्रशासनिक पतन का नतीजा बताया। अधिकारी ने पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु की एक टिप्पणी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, (ज्योति) बसु ने कहा था कि वे जहां भी काम शुरू करना चाहते थे, उन्हें पता चलता था कि डॉ. रॉय ने पहले ही उसकी नींव रख दी है। मेरी स्थिति इसके उलट है। मैं जहां भी काम शुरू करना चाहता हूं, मुझे बर्बादी ही मिलती है।

सरकार ने राम मंदिर ट्रस्ट के दान से जुड़े आरोपों की जांच कर रही एसआईटी का कार्यकाल 15 दिन बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या में राम मंदिर ट्रस्ट के दान और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित आरोपों की जांच कर रहे तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का कार्यकाल 15 दिन बढ़ा दिया। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

प्रदेश सरकार ने आरोपों की जांच के लिए 13 जून को एसआईटी का गठन किया था और शुरुआत में उसे 15 दिन का समय दिया था। अधिकारी ने बताया कि 23 जून को एसआईटी द्वारा प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद 25 जून को मामले में एक प्राथमिकी दर्ज की गई और आठ आरोपियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडे, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रमाशंकर यादव उर्फ टीनू यादव को गिरफ्तार किया गया। मामले की गहराई से जांच करने और जांच का दायरा बढ़ाने के लिए एसआईटी का कार्यकाल 15 दिन और बढ़ा दिया है। एसआईटी में लखनऊ के मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास, पुलिस महानिरीक्षक किरण एस और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल है।

अयोध्या चढ़ावा चोरी में अविनाश दोषी है तो सज़ा मिले और निर्दोष है तो न्याय मिले : परिजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रतापगढ़/भाषा। अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में शामिल आरोपी अविनाश शुक्ला के परिवार ने कहा है कि अगर वह दोषी पाया जाता है तो उसे दंडित किया जाना चाहिए, लेकिन अगर वह निर्दोष है तो उसे न्याय मिलना चाहिए। पुलिस द्वारा की जा रही मामले की जांच में प्रतापगढ़ जिले के महेशगंज थाना क्षेत्र के बाबूपुर नरियावां गांव निवासी शुक्ला को गिरफ्तार किया गया है। शुक्ला के पिता राम सजीवन शुक्ला ने बताया कि अविनाश करीब एक साल से अपने बड़े भाई अभिषेक शुक्ला के साथ अयोध्या में रह रहे थे।

अभिषेक 2021 से अयोध्या के एक प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा, परिवार को उम्मीद थी कि दोनों भाई हमारी आर्थिक स्थिति में सुधार करेंगे, लेकिन अब सब कुछ बदल गया है। भावुक होते हुए राम सजीवन ने कहा कि गांव और रिश्तेदारों में लोग मामले के बारे में उनसे सवाल पूछ रहे हैं। उन्होंने कहा, अदालत इस मामले का फैसला करेगी। भगवान राम सभी के कर्मों का न्याय करेंगे।

अविनाश की मां मिथलेश ने कहा कि परिवार ने अपने बच्चों को ईमानदारी के मूल्यों के साथ बड़ा किया है। उन्होंने कहा, अगर उसने कोई गलती की है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। अगर वह निर्दोष है तो उसे न्याय मिलना चाहिए। परिवार में पांच बेटे हैं, जिनमें से तीन गांव में खेती करते हैं। परिवार ने कहा कि वह कानून का सम्मान करता है और निष्पक्ष जांच चाहता है।

उत्तर प्रदेश की पिछली सरकारों के पास पैसा था, लेकिन विकास का दृष्टिकोण नहीं था : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि 2017 से पहले की सरकारों के पास पैसा तो था लेकिन विकास का दृष्टिकोण नहीं था। उन्होंने बुधवार को सहारनपुर में 613 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास के मौके पर यह बात कही।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, अलीगढ़, मथुरा में दंगे होते थे और दंगा व कर्फ्यू हमारी नियति बन चुकी थी। उन्होंने कहा कि कैराना से पलायन होता था और ये सभी क्षेत्र हिंदू विहीन बना दिए गए थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''तब न बेटी सुरक्षित थी और न ही व्यापारी सुरक्षित था। कानून व्यवस्था तहस नहस हो चुकी थी। याद करिये 2011-12 में मुरादाबाद में डीआईजी पर हमला हुआ। मरा हुआ समझकर उपद्रवी उन्हें वहां छोड़ कर चले गए।'' उन्होंने कहा, ''समाजवादी पार्टी की सरकार ने इन उपद्रवियों के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाया। वह इनके खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने का प्रयास कर रही थी। हमारी सरकार बनी और हमने कहा उपद्रवियों को नहीं छोड़ेंगे।'' उन्होंने कहा, 2017 से पहले की सरकारों के पास पैसा था, लेकिन विकास का दृष्टिकोण नहीं था। समाजवादी पार्टी के गुर्गे पैसा खा जाते थे या यह पैसा कब्रिस्तान की चारदीवारी के लिए चला जाता था। आज उसी पैसे से मां शाकंभरी कॉरिडोर तैयार हो रहा है।

केतन अग्रवाल हत्याकांड : सिया गोयल ने कुछ समय तक केतन का मोबाइल फोन अपने पास रखा था

पुणे/भाषा। पुणे के रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल का मोबाइल फोन कुछ समय तक उसकी मंगेतर सिया गोयल के पास रहा था, हालांकि बाद में उसे अग्रवाल परिवार को सौंप दिया गया। पुलिस ने केतन की कथित हत्या की जांच का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले पर सिया गोयल (20) और उसके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) ने केतन को कथित रूप से एक खाई में धक्का दे दिया था। केतन और सिया की शादी इसी वर्ष नवंबर में होने वाली थी।

कथित हत्या के बाद सिया और चेतन को गिरफ्तार कर लिया गया था तथा उन्हें तीन जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। अभियोजन पक्ष ने सोमवार को दोनों आरोपियों की पुलिस हिरासत बढ़ाने का अनुरोध करते हुए अदालत को बताया कि जांचकर्ता यह पता लगाना चाहते हैं कि जब सिया के पास केतन का मोबाइल फोन था तब उसने फोन से कोई सबूत मिटाया या नष्ट तो नहीं किया। इस बीच, पुलिस ने बुधवार को सह-आरोपी चेतन चौधरी के साथ घटनास्थल पर जाकर अपराध के घटनाक्रम को समझने के लिए दृश्यों का रूपांतरण किया।

शिशु 'कमाई न करने वाला' सदस्य नहीं : न्यायाधिकरण का परिजनों को मुआवजा देने का आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2018 में एक ट्रक की चपेट में आने से जान गंवाने वाले आठ महीने के बच्चे के माता-पिता को 15.10 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है।

न्यायाधिकरण ने कहा कि मुआवजे की गणना के लिए किसी बच्चे को कमाई न करने वाला व्यक्ति नहीं माना जा सकता। एमएसीटी के अध्यक्ष और मुख्य जिला न्यायाधीश आर डी सावंत ने मंगलवार को पारित अपने आदेश में ट्रक मालिक दिनकर माने और एक निजी बीमा कंपनी को संयुक्त रूप से मुआवजे की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। यह घटना छह जून 2018 को ठाणे के वागले एस्टेट में हुई थी जब शिकायतकर्ता मोहम्मद उस्मान महबूब नायक और उनकी पत्नी अपने एक रिश्तेदार के घर गए थे। उनका आठ महीने का बेटा सुल्तान ग्रिल लगे फुटपाथ पर खेल रहा था, तभी एक ट्रक ने तेज गति से पीछे से आते हुए लोहे की उस रेलिंग में जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भयानक थी कि वह ग्रिल उखड़कर सीधे मासूम पर गिर गई, जिससे सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में ट्रक चालक के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया था। न्यायाधिकरण ने कहा, अगर ट्रक ने टक्कर न मारी होती और लोहे की रेलिंग न गिरती तो यह दुर्घटना नहीं होती। मृतक छोटा बच्चा था जो फुटपाथ पर खेल रहा था। अदालत शुल्क के उद्देश्य से माता-पिता ने शुरुआत में अपने दावे का मूल्यांकन केवल 1,00,000 रुपये रखा था, लेकिन न्यायाधिकरण ने उच्चतम न्यायालय के फैसलों का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि उसका कर्तव्य शुरुआती दावे से परे जाकर एक उचित मुआवजा देना है। न्यायाधिकरण ने बच्चे की काल्पनिक आय 9,526 रुपये प्रति माह मानी। इसमें भविष्य की संभावनाओं के लिए 40 प्रतिशत राशि जोड़ी गई और व्यक्तिगत खर्चों के लिए आधी रकम काटने के बाद, 18 के गुणक के आधार पर भविष्य की आय के नुकसान की गणना की गई। पीठ ने स्पष्ट किया, दुर्घटना में जान गंवाने वाले किसी छोटे बच्चे को मुआवजा तय करने के उद्देश्य से 'कमाई न करने वाले व्यक्ति' की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि वह दुर्घटना के समय किसी सवैतनिक रोजगार में शामिल नहीं था।

महंत नृत्य गोपाल दास मेदांता अस्पताल में भर्ती

लखनऊ/भाषा। अयोध्या स्थित राम मंदिर से जुड़े श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास का स्वास्थ्य खराब होने के बाद उन्हें यहां मेदांता अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल द्वारा बुधवार को जारी मेडिकल बुलेटिन के मुताबिक महंत नृत्य गोपाल दास (89) को 29 जून को दोपहर लगभग 1:30 बजे आपातकालीन विभाग में लाया गया था। उस समय वे अचेत अवस्था में थे। प्रारंभिक जांच में उन्हें मूत्र मार्ग में संक्रमण की पुष्टि हुई है। वर्तमान में उनका उपचार क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. दिलीप एवं उनकी टीम की निगरानी में चल रहा है। उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है, जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम 24 घंटे सतत निगरानी रख रही है। उनकी स्थिति पर लगातार नज़र रखी जा रही है तथा आवश्यक उपचार किया जा रहा है।

एटीएफ, वाणिज्यिक एलपीजी सस्ते, नायरा एनर्जी ने पेट्रोल-डीजल की कीमत घटाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच विमान ईंधन (एटीएफ) और वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में बुधवार को कटौती की गई। वहीं, निजी ईंधन खुदरा कंपनी नायरा एनर्जी ने पेट्रोल और डीजल के दाम घटाए, जो दो साल से अधिक समय में उसकी पहली कटौती है। उद्योग सूत्रों ने बताया कि एटीएफ की कीमतों में पांच रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई, जिससे दिल्ली में इसकी कीमत घटकर लगभग 110 रुपये प्रति लीटर रह गई। हालिया पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण कीमतों में आई तेजी के बाद यह पहली कटौती है।

तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने भी वाणिज्यिक एलपीजी के दाम 183.50 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर घटा दिए। यह इस वर्ष की पहली कटौती है। वाणिज्यिक एलपीजी की नई कीमत अब 2,930 रुपये प्रति सिलेंडर होगी जबकि पिछले महीने यह बढ़कर 3,113 रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थी, जब भू-राजनीतिक तनावों के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई थीं। इसके साथ ही पांच किलोग्राम वाले मार्केट प्राइस/फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर की कीमत भी 13 रुपये घटाकर 808.50 रुपये कर दी गई। घरेलू इस्तेमाल वाले 14.2 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया और यह 942 रुपये पर बनी रही। सरकार ने पिछले महीने एटीएफ मूल्य स्थिरीकरण योजना शुरू की थी, जिसके तहत भाग लेने वाली विमानन कंपनियां 115 रुपये प्रति लीटर की निश्चित दर पर विमान ईंधन खरीद सकती हैं। इस योजना में शामिल नहीं होने वाली विमानन कंपनियां मौजूदा बाजार दरों पर ही ईंधन खरीदेंगी। इस व्यवस्था के तहत यदि बेंचमार्क एटीएफ कीमतें 86.32 रुपये प्रति लीटर के आधार मूल्य से ऊपर जाती हैं, तो सरकार तेल विपणन कंपनियों को अंतर की भरपाई के लिए ब्याज-मुक्त अग्रिम देगी। जब कीमतें आधार से नीचे होंगी, तो अतिरिक्त राशि वसूली कर समेकित निधि में जमा की जाएगी।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि कितनी विमानन कंपनियां इस योजना में शामिल हुई हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार 110 रुपये प्रति लीटर एटीएफ कीमत घरेलू विमानन कंपनियों के लिए है। राज्य के तेल खुदरा विक्रेता हर महीने की पहली तारीख को पिछले महीने के औसत अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क और विदेशी मुद्रा दरों के आधार पर एटीएफ और वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में संशोधन करते हैं। इस बीच, नायरा एनर्जी ने अपने 7,000 से अधिक पेट्रोल पंप पर पेट्रोल की कीमत पांच रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत तीन रुपये प्रति लीटर घटा दी है।

कंसास में अचानक आई बाढ़ में भारतीय आईटी पेशेवर की मौत

ह्यूस्टन/भाषा। अमेरिका के कंसास में अचानक आई बाढ़ में 33 वर्षीय एक भारतीय आईटी पेशेवर की गाड़ी बह गई और उसकी मौत हो गई। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। वेंकटेश डोप्पलापुडी एच-1बी वीजा धारक थे और नेब्रास्का के ओमाहा में रह रहे थे। उनका शव रविवार को बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि वह कथित तौर पर शनिवार दोपहर ह्यूस्टन से उत्तर की ओर लौट रहे थे, तभी उनका वाहन दक्षिण-मध्य कंसास में भीषण तूफान के कारण अचानक आई बाढ़ की चपेट में आ गया। तूफान के कारण क्षेत्र में छह इंच से अधिक बारिश हुई थी। इस घटना पर ह्यूस्टन में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने दुख व्यक्त किया है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम करने की बात कही है।

मिशन ने एक बयान में कहा, महावाणिज्य दूतावास मृतक के परिवार और करीबी सहयोगियों के संपर्क में है और उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है।

अखिलेश और मैं 'पीडीए' की हिस्सेदारी के जरिए सामाजिक न्याय का संकल्प मिलकर पूरा करेंगे : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को उनके जन्मदिन पर मंगलवार को शुभकामनाएं दीं और कहा कि 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) की हिस्सेदारी के जरिए सामाजिक न्याय का संकल्प मिलकर पूरा किया जाएगा। अखिलेश यादव का जन्म एक जुलाई, 1973 को हुआ था। वह समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के पुत्र हैं। वर्ष 2012 में वह 38 वर्ष की उम्र में उत्तर प्रदेश के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने और 2017 तक इस पद पर रहे। वह वर्तमान में उत्तर प्रदेश के कन्नौज से लोकसभा सदस्य हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई अखिलेश यादव जी। पीडीए की हिस्सेदारी से सामाजिक न्याय का संकल्प हम मिल कर पूरा करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य और खुशहाल जीवन के लिए शुभकामनाएं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी अखिलेश यादव को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास, लोकतंत्र और संविधान को मजबूत करने की दिशा में सभी मिलकर आगे बढ़ेंगे। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, श्री अखिलेश यादव को जन्मदिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं आपके उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना करता हूं।'' उन्होंने कहा, ''सामाजिक न्याय, समावेशी विकास व लोकतंत्र एवं संविधान को मजबूत करने की ओर हम मिलकर अग्रसर रहेंगे।'' समाजवादी पार्टी और कांग्रेस विपक्षी गठबंधन 'इंडि' के प्रमुख घटक दल हैं और दोनों दल पिछले लोकसभा चुनाव में साथ मिलकर चुनाव लड़े थे।

यूपीआई से जरिए लेन-देन जून में 28.9 लाख करोड़ रुपये पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकप्रिय भुगतान मंच यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस) के जरिये जून में लेन-देन मासिक आधार पर रिकॉर्ड स्तर से घटकर 28.9 लाख करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले महीने यह रिकॉर्ड 29.9 लाख करोड़ रुपये था। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली। बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, जून में यूपीआई के जरिये लेन-देन की संख्या 22.72 अरब दर्ज की गई, जो इससे पिछले महीने 23.2 अरब थी। बीते महीने लेन-देन का मूल्य सालाना आधार पर 20 प्रतिशत बढ़कर 28.9 लाख करोड़ रुपये था, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 24.03 लाख करोड़ रुपये था। यूपीआई लेन-देन की संख्या जून, 2025 में 18.3 अरब दर्ज की गई थी।

कैशफ्री पेमेंट्स के संस्थापक रीजू दत्ता ने कहा, ''हालांकि, जून में यूपीआई मात्रा मासिक आधार पर कम हुई है, लेकिन महीने में 75.7 करोड़ लेन-देन का दैनिक औसत यूपीआई पेश किये जाने के बाद से अब तक का सबसे अधिक है। ये दैनिक औसत एक बहुत ही दिलचस्प कहानी बताता है कि कैसे यूपीआई कम मूल्य वाले लेन-देन के लिए भुगतान एक लोकप्रिय तरीका बन गया है।'' स्पाइस मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) दिलीप मोदी के अनुसार, ''जून के यूपीआई आंकड़े इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि न केवल लेन-देन 22.7 अरब से अधिक हुए, बल्कि वे उस तेजी को भी बताते हैं जिस गति से पिछले एक साल में भारत का डिजिटल भुगतान परिवेश बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 12 महीनों में, यूपीआई मात्रा में 4.3 अरब से अधिक लेन-देन और मूल्य में लगभग पांच लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। यह पूरे देश में डिजिटल भुगतान पर बढ़ते भरोसे और निर्भरता को बताता है।

यूपीआई अब संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस, मॉरीशस और कतर सहित आठ से अधिक देशों में चालू है। इससे भारत डिजिटल भुगतान में एक वैश्विक अगुवा के तौर पर स्थापित हुआ है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनाए जाने से बाहर से पैसे भेजने यानी धन प्रेषण को बढ़ावा मिलने के साथ वित्तीय समावेश को बढ़ावा मिल रहा है और वैश्विक वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की स्थिति मजबूत हो रही है। एनपीसीआई, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की एक पहल है। यह भारत में खुदरा भुगतान और निपटान प्रणाली को संचालित करने वाली एक प्रमुख संस्थान है। यह यूपीआई का संचालन करता है, जिसका उपयोग लोगों के बीच या खरीदारी करते समय दुकानदारों को वास्तविक समय पर भुगतान के लिए किया जाता है।

प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को कांग्रेस के 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत कार्यकर्ताओं ने नीट-यूजी परीक्षा में कथित अनियमितताओं और पुनर्परीक्षा के दबाव में कथित रूप से आत्महत्या करने वाले छात्रों को न्याय दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की भी मांग उठाई।

सुविचार

शब्दों का वजन बोलने वाले के भाव पर निर्भर करता है, एक शब्द मंत्र बन जाता है और एक शब्द गाली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रतीकात्मक योजनाएं, वास्तविक समस्याएं

तमिलनाडु में नवजातों के लिए सोने की अंगूठी संबंधी योजना अपनेआप में अनूठी है। अन्य राज्यों में भी इसकी काफी चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री विजय इसे तमिलनाडु में कैसे लागू करेंगे, यह देखना दिलचस्प होगा। जो बच्चे इस राज्य के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेंगे, उन्हें यह अंगूठी 'थाई मामन सीर' (मामा की तरफ से मिलने वाला उपहार) नामक सांस्कृतिक परंपरा के तहत दी जाएगी। इस योजना को सरकारी अस्पतालों में प्रसव और कुल प्रजनन दर (टीएफआर) को बढ़ावा देने से जोड़कर देखा जा रहा है। अब सवाल है- क्या दंपति इसका लाभ लेंगे? जवाब है- कई दंपति जरूर लेंगे, लेकिन सभी दंपतियों के लिए यह राय बना लेना अभी जल्दबाजी होगी। लगभग 14 हजार रुपए की अंगूठी के लिए कितने शिक्षित और मध्यम आय वर्ग वाले दंपति आगे आएंगे? इस योजना के जरिए सरकार अपने चिकित्सा संस्थानों में जन्म लेने वाले हर बच्चे के लिए मामा की भूमिका निभाएगी, जो सराहनीय है। हालांकि अंगूठी देने के अलावा भी कई काम हैं, जो 'मामा' को करने होंगे। क्या तमिलनाडु के सरकारी अस्पतालों में इतनी सुविधाएं हैं कि वे उक्त योजना को सफलतापूर्वक लागू कर सकें? राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-6) की मानें तो तमिलनाडु में हर साल लगभग 7.8 लाख प्रसव होते हैं। उनमें से 99.9 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में होते हैं। सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में 4.2 लाख यानी लगभग 53 प्रतिशत प्रसव होते हैं। मान लीजिए, अगर अंगूठी योजना के कारण यह आंकड़ा बढ़कर 70 प्रतिशत हो जाए, तो क्या राज्य के सरकारी अस्पतालों में उतने बेड, मशीनें और प्रशिक्षित चिकित्साकर्मी हैं? अगर यह आंकड़ा 70 प्रतिशत के बजाय सिर्फ 60 प्रतिशत तक जाए, तो भी सरकारी अस्पतालों पर अच्छा-खासा दबाव बढ़ा सकता है। तमिलनाडु सरकार को इसके लिए पहले से जरूरी इंतजाम करने होंगे।

तमिलनाडु समेत हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में जन्म लेने वाले बच्चे उज्ज्वल भविष्य के हकदार हैं। उन्हें यह हक कैसे दिया जाए? इसके लिए जरूरी हैं- साफ हवा, साफ पानी, सुरक्षित सड़कें, अच्छे सरकारी स्कूल, गुणवत्तापूर्ण एवं सस्ती चिकित्सा सुविधाएं और रोजगार की गारंटी। क्या कोई भी सरकार ये सुविधाएं दे रही है? पिछले चार दशकों में हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश में टीएफआर में उल्लेखनीय गिरावट आई है। ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं हो रहा, क्योंकि परिवार नियोजन संबंधी अभियानों का दायरा बहुत बढ़ गया है। दरअसल लोग अपने जीवन में कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहे हैं। पहले, जिस उम्र में लोग माता-पिता बन जाते थे, आज उस उम्र में प्रतियोगी परीक्षाओं की पोथियां रट रहे हैं। इन परीक्षाओं में मुट्ठीभर लोग सफल होते हैं। बाकी करें तो क्या करें? सरकारी स्कूलों की हालत सब देख ही रहे हैं। प्राइवेट स्कूलों की फीस इतनी बढ़ गई है कि हर दंपति उसे वहन नहीं कर सकता है। क्या ऐसे दंपति महज सोने की अंगूठी के लिए किसी बच्चे को इस दुनिया में लाना चाहेंगे? आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू तो प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा कर चुके हैं। ऐसी घोषणाओं पर तालियां खूब बजती हैं। इनके वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत प्रसारित होते हैं। समाज के एक वर्ग को लगता है कि नेतागण हमारी चिंता कर रहे हैं। जब उन्हें सरकार की ओर से सहायता मिलेगी तो उनकी खुशी दुगुनी हो जाएगी। सवाल है- यह खुशी कब तक रहेगी? आज की महंगाई के सामने कुछ हजार रुपए कब तक काम आएंगे? सरकारों को अपनी योजनाओं से आगे भी सोचना चाहिए। सबसे पहले सरकारी स्कूलों और सरकारी अस्पतालों के हालात सुधारें। युवाओं को रोजगार दें। हवा, पानी की स्वच्छता सुनिश्चित करें। सुरक्षित माहौल दें। जो बच्चा इस देश में जन्म ले, उसे भविष्य में ठोकरें न खानी पड़ें। वह गर्व करे कि उसे महान संतों, ऋषियों, सुधारकों और योद्धाओं की धरती पर जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

ट्वीटर टॉक

कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स की प्रेसिडेंट जयमाला के नेतृत्व में फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने लोगों का एक डेलीगेशन मुझसे मिला और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े अलग-अलग मामलों पर चर्चा की।इस मौके पर, चैंबर के पूर्व प्रेसिडेंट गंगाराजू,और दूसरे लोग मौजूद थे।

-डीके शिवकुमार

बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों से बातचीत करके उनकी कस्टमर-सेंट्रिक सर्विसेज़ और इनोवेशन के बारे में जाना। मुझे पूरा भरोसा है कि यह पहल आम जनता को आसान डिजिटल बैंकिंग और तेज़ फाइनेंशियल सर्विसेज़ देकर फाइनेंशियल इनक्लूजन को और मज़बूत करेगी।

-अर्जुनराम मेघवाल

ई-गवर्नेंस कॉन्फ्रेंस को होस्ट करने का मौका राजस्थान को मिला है, जो हम सभी के लिए गर्व और सम्मान की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में, देश ई-गवर्नेंस के ज़रिए गुड गवर्नेंस को आसान और पर्यावरण के अनुकूल बनाने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

समर्पण से सफलता

एक बार रामकृष्ण परमहंस अपने शिष्यों को उपदेश दे रहे थे। वे उन्हें अवसर की महत्ता समझा रहे थे। वे कह रहे थे कि अज्ञान के कारण मनुष्य या तो अवसर को पहचान ही नहीं पाता और यदि पहचान भी ले, तो उसे अपनाने के लिए आवश्यक साहस नहीं जुटा पाता। उन्होंने सामने बैठे नरेंद्र से कहा'नरेंद्र! मान ले कि तू एक मक्खी है और तेरे सामने अमृत से भरा एक कटोरा रखा है। अब बता, तू उसमें कूद पड़ेगा या किनारे बैठकर उसे छूने की कोशिश करेगा?' नरेंद्र बोला'मैं किनारे बैठकर छूने की कोशिश करूंगा। यदि बीच में कूद पड़ा तो प्राण संकट में पड़ सकते हैं। इसलिए बुद्धिमानी इसी में है कि किनारे से ही खाने का प्रयास किया जाए।' रामकृष्ण परमहंस मुस्कराए और बोले'मूर्ख! जिस अमृत को पीकर तू अमर होने की कल्पना करता है, उसी में डूबने से डरता है। जब अमृत में डूबने का सुअवसर मिल रहा है, तो फिर मृत्यु का भय क्यों?' तब शिष्यों को बात समझ में आई। चाहे आध्यात्मिक उन्नति हो या भौतिक सफलताजब तक पूर्ण समर्पण नहीं होता, तब तक सफलता संदिग्ध ही रहती है।

सामयिक

आधुनिकता का यह कैसा आक्रोश?

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

आज हमारा समाज एक अत्यंत संवेदनशील, जटिल और अभूर्व सामाजिक-मनोवैज्ञानिक बदलाव के चौराहे पर खड़ा है। पिछले कुछ समय में देश के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं द्वारा किए जाने वाले हिंसक अपराधों, घरेलू विवादों में आक्रामकता और गंभीर वारदातों में उनकी संलिप्तता की घटनाओं में अप्रत्याशित बढ़ोतरी देखने को मिली है। यह बदलाव उस पारंपरिक भारतीय समाज के लिए एक बड़ा वैचारिक झटका है, जिसने सदियों से महिलाओं को सहज रूप से सहनशीलता, करुणा, त्याग और धैर्य के सर्वोच्च प्रतीक के रूप में देखा और परिभाषित किया है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ममता और संवेदनशीलता की प्रतिमूर्ति मानी जाने वाली आधी आबादी का एक हिस्सा आज इतनी हिंसक और आक्रामक प्रवृत्तियों की ओर क्यों बढ़ रहा है? क्या यह आधुनिकता का कोई विकृत रूप है, या फिर हमारे बीमार होते सामाजिक ढांचे की कोई गहरी गूंज?

इस आक्रामकता के मूल कारणों की पड़ताल करें, तो इसका सबसे पहला और मुख्य सिरा आधुनिक जीवनशैली के अत्यधिक मानसिक तनाव और 'वर्क-लाइफ' के असंतुलन से जुड़ता है। आज की महिला एक ऐतिहासिक संक्रमण काल से गुजर रही है। वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के लिए कार्यस्थल पर पुरुषों के साथ कठिन प्रतिस्पर्धा कर रही है और करियर की ऊंचाइयों को छू रही है। लेकिन विडंबना यह है कि बाहर की इस आधुनिकता के बावजूद, घर के भीतर का सामाजिक ढांचा आज भी काफी हद तक पारंपरिक ही है। कामकाजी होने के बाद भी समाज यह उम्मीद करता है कि वह घर के चूल्हे-चौके, बच्चों की परवरिश और बुजुर्गों की देखभाल की जिम्मेदारी भी उतनी ही परफेक्शन के साथ निभाए। हर मोर्चे पर खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करने और 'सुपरवुमन' बनने का यह निरंतर सामाजिक व पारिवारिक दबाव महिलाओं को भीतर ही भीतर खोखला कर रहा है। समय की कमी, भरपूर नींद न आना और लगातार थकान मिलकर एक ऐसा मानसिक फ्रस्ट्रेशन (कुंठा) पैदा करते हैं, जो उचित 'एंगर मैनेजमेंट' (क्रोध प्रबंधन) न होने पर अचानक तीव्र गुस्से और हिंसक व्यवहार के रूप में फूट पड़ता है। हाल ही में पुणे (पूना) के लोहागढ़ किले में मंगेतर केतन अग्रवाल की गहरी खाई में धकेलकर की गई जघन्य हत्या के मामले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले में मंगेतर (जिसकी पहचान मीडिया व सामाजिक विमर्शों में केतन अग्रवाल हत्याकांड के रूप में चर्चित है) ने अपने प्रेमी चेतन चौधरी के साथ मिलकर, सामाजिक-पारिवारिक दबाव और शादी से पीछे न हट पाने के चलते, ठंडे दिमाग से हत्या की साजिश रची और उसे दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। ठीक इसी तरह, भोपाल के हाई-प्रोफाइल ससुराल में प्रताड़ना के बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत की घटना, और भोपाल में ही दो सगी बहनों द्वारा अन्य लड़कियों को ब्लैकमेलिंग व शोषण के आपराधिक जाल में धकेलने का मामला भी सामने आया है। महाराष्ट्र (बीड) में नशे की लत से परेशान होकर नसरीन

नामक महिला ने अपने पति शरीफ पठान की तार से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद उसने इसे स्वाभाविक मौत बताने के लिए हार्ट अटैक की झूठी कहानी गढ़ी, जिसे पुलिस ने पूछताछ में उजागर कर दिया। तेलंगाना (महबूबनगर) में एक महिला (कविता) ने अपने 38 वर्षीय पति नागेश की सोते समय चाकू से बेरहमी से हत्या कर दी। चीखें सुनकर दौड़े पड़ोसियों और बेटे की आंखों के सामने हुए इस मर्डर के कारणों की पुलिस जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश (इंदौर/धार) में एक पत्नी (प्रियंका) ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति देवकृष्ण की हत्या की खौफनाक साजिश रची। पहले इसे लूटपाट का रूप दिया गया, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि पत्नी ने प्रेमी के माध्यम से हत्यारों को 1 लाख रुपये की सुपारी दी थी। उत्तर प्रदेश (बागपत) में एक महिला ने अपने कथित प्रेमी के साथ मिलकर पति को नींद की गोलियां दीं और फिर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इलाज के दौरान पति की मौत के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

ये घटनाएं यह साबित करती हैं कि जब नैतिक व्यवस्था बिखरती है, तो अपराध और आक्रामकता का कोई जेंडर नहीं रह जाता। जहाँ एक तरफ महिलाएं आज भी बर्बर घरेलू हिंसा का शिकार हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कुछ महिलाओं द्वारा विवादों से निकलने या अपनी राह का रोड़ा हटाने के लिए कत्ल और साजिश जैसे जघन्य रास्तों को चुनना यह दिखाता है कि समाज में सहिष्णुता और संवाद की जगह अब खतरनाक आक्रामकता ले रही है। इस सामाजिक बदलाव की पुष्टि केवल धारणाओं से नहीं, बल्कि देश के आधिकारिक आंकड़ों से भी होती है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट पर नजर डालें, तो भारत की जेलों में बंद महिला कैदियों (विचाराधीन और दोषी दोनों) की संख्या में पिछले दो दशकों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2000 में जहाँ जेलों में महिला कैदियों की संख्या 9,089 थी, वहीं यह संख्या अब बढ़कर 23,700 से अधिक हो चुकी है। यानी इस अवधि में महिला कैदियों की संख्या में करीब 1627 की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जबकि इसी दौरान देश की कुल आबादी महज 30 प्रतिशत के आसपास बढ़ी है। हालांकि कुल अपराधियों में महिलाओं की संख्या अब भी पुरुषों की तुलना में बेहद कम (करीब 4 से 6 प्रतिशत) है, लेकिन अपराध के ग्राफ में उनकी संख्या बढ़ने की यह रफ्तार बेहद डराने वाली है। इतना ही नहीं, समाजशास्त्रियों के लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि अपराधों की प्रकृति भी बदल रही है। पहले जहाँ महिलाएं ज़्यादातर छोटे-मोटे घरेलू विवादों या विवशतावश किए गए छोटे अपराधों में संलिप्त पाई जाती थीं, वहीं अब गंभीर चोट पहुँचाने, हत्या और धोखाधड़ी जैसे गंभीर व हिंसक अपराधों के तहत महिलाओं की गिरफ्तारियां बढ़ी हैं। यह इस बात का सीधा प्रमाण है कि महिलाओं के भीतर का अवसाद और तनाव अब कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले गंभीर आक्रोश में तब्दील हो रहा है।

एक अन्य सामाजिक कारण संयुक्त परिवारों का तेजी से टूटना और एकल परिवारों का बढ़ना है। आज के एकल परिवारों में महिलाएं पूरी तरह अकेली हो चुकी हैं। उनके पास अपनी भावनाएं, अपनी असुरक्षाएं और अपना रोना रोने के लिए कोई भरोसेमंद कंधा या सामाजिक 'वेंटिलेशन' (निकासी का रास्ता) नहीं है। पड़ोसियों से संवाद खत्म हो चुका है। यह अंतहीन अकेलापन और अपनी बात न कह पाने की लाचारी धीरे-धीरे गहरे अवसाद (डिप्रेशन) और एंग्जायटी में बदल जाती है। जब इंसान के भीतर की नकारात्मक भावनाएं बाहर निकलने का रास्ता नहीं पातीं, तो वे अंततः ज्वालामुखी की तरह आक्रामक व्यवहार के रूप में फटती हैं। इसके ऊपर, इंटरनेट, सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर परोसी जा रही हिंसक सामग्री और रील्स कल्चर ने लोगों के मानसिक संतुलन को और बिगाड़ दिया है, जिससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन और हिंसक प्रवृत्तियां बढ़ रही हैं। महिलाओं में बढ़ती इस आक्रामक प्रवृत्ति को केवल एक 'लॉ एंड ऑर्डर' (कानून-व्यवस्था) या जेंडर की समस्या मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। यह दरअसल हमारे समूचे सामाजिक ताने-बाने के बीमार होने का एक गंभीर अलार्म है। सशक्तिकरण का सच्चा अर्थ केवल महिलाओं को आर्थिक या राजनीतिक रूप से मजबूत बनाना नहीं है, बल्कि उन्हें एक ऐसा सुरक्षित और तनावमुक्त माहौल देना भी है जहां वे मानसिक रूप से शांत और संतुलित रह सकें।

यदि हमें इस पारिवारिक और सामाजिक बिखराव को रोकना है, तो परिवार के स्तर पर पुरुषों को अपनी मानसिकता बदलनी होगी और घरेलू जिम्मेदारियों में बराबर का हाथ बंटाना होगा ताकि महिलाओं पर से दोहरा बोझ कम हो सके। इसके साथ ही, मानसिक स्वास्थ्य को लेकर समाज में बैठी झिझक को तोड़ना होगा। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों पर 'स्ट्रेस रिलीफ' और काउंसलिंग सत्रों को अनिवार्य किया जाना चाहिए। हमें समझना होगा कि एक शांत, गरिमापूर्ण और अहिंसक समाज का निर्माण तभी संभव है, जब उस समाज की रीढ़ कही जाने वाली महिलाएं मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ और सुरक्षित महसूस करेंगी।

नजरिया

आराम की दौड़ में सुरक्षा से समझौता क्यों?

ममता कुशवाहा

उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर-119 स्थित एक बहुमंजिला अपार्टमेंट में हाल ही में एयर कंडीशनर (एसी) में हुए विस्फोट से लगी आग ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आधुनिक सुविधाएँ यदि सावधानी के साथ न अपनाई जाएँ तो वही जीवन के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन आग पर काबू पाने में दमकल विभाग को कई घंटे लग गए। इससे पहले भी देश के विभिन्न शहरों में एसी फटने या उसमें शॉर्ट सर्किट से आग लगने की अनेक घटनाएँ सामने आ चुकी हैं। इन हादसों ने स्पष्ट कर दिया है कि केवल तकनीक पर भरोसा करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसके सुरक्षित उपयोग और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था पर भी उतना ही ध्यान देना आवश्यक है। भीषण गर्मी के इस दौर में एयर कंडीशनर अब केवल विलासिता का साधन नहीं रह गया है। पहले जहाँ एसी केवल बड़े घरों, कार्यालयों या होटलों तक सीमित था, वहीं आज मध्यम वर्गीय परिवारों के घरों में भी यह आम जरूरत बन चुका है। लगातार बढ़ते तापमान और बदलती जीवनशैली ने एसी को रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बना दिया है। लेकिन सुविधा का यह साधन तभी तक उपयोगी है, जब तक उसका उपयोग जिम्मेदारी और सावधानी के साथ किया जाए। जैसे-जैसे एसी का उपयोग बढ़ा है, वैसे-वैसे उससे जुड़ी दुर्घटनाओं की संख्या भी बढ़ी है। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत लापरवाही का परिणाम नहीं है, बल्कि इसमें तकनीकी खामियाँ, घटिया गुणवत्ता वाले उपकरण, अपर्याप्त रखरखाव और सुरक्षा मानकों की अनदेखी भी समान रूप से जिम्मेदार हैं।

एसी में आग लगने या विस्फोट होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। सबसे प्रमुख कारण है मशीन का लगातार कई घंटों तक बिना रुके चलना। जब कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है तो उसका तापमान तेजी से बढ़ जाता है। यदि समय पर मशीन को विश्राम न मिले या उसमें पहले से कोई तकनीकी खराबी हो तो वह गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके अतिरिक्त गैस का रिसाव, विद्युत तारों का ढीला या खराब होना, ओवरलोडिंग, निम्न गुणवत्ता के पुर्जों का उपयोग तथा गलत तरीके से इंस्टॉलेशन भी आग लगने की आशंका बढ़ा देते हैं। कई बार लोग सस्ते और बिना प्रमाणित उपकरण खरीद लेते हैं, जो थोड़े समय बाद ही जोखिम पैदा करने लगते हैं। समस्या का एक बड़ा कारण नियमित रखरखाव का अभाव भी है। अधिकांश लोग एसी खरीदने के बाद वर्षों तक उसकी सर्विस नहीं कराते। धूल और गंदगी के कारण फिल्टर जाम हो जाते हैं,

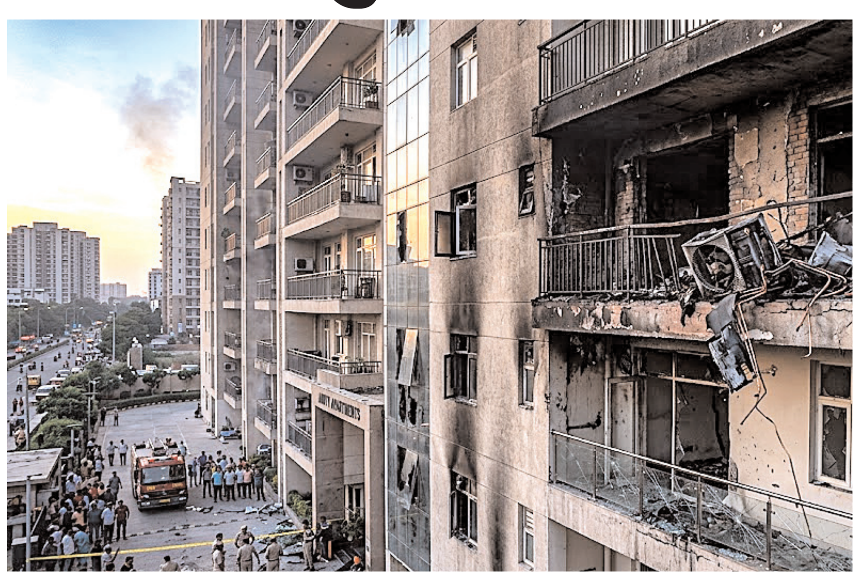

एसी में आग लगने या विस्फोट होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। सबसे प्रमुख कारण है मशीन का लगातार कई घंटों तक बिना रुके चलना। जब कंप्रेसर पर अत्यधिक दबाव पड़ता है तो उसका तापमान तेजी से बढ़ जाता है। यदि समय पर मशीन को विश्राम न मिले या उसमें पहले से कोई तकनीकी खराबी हो तो वह गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसके अतिरिक्त गैस का रिसाव, विद्युत तारों का ढीला या खराब होना, ओवरलोडिंग, निम्न गुणवत्ता के पुर्जों का उपयोग तथा गलत तरीके से इंस्टॉलेशन भी आग लगने की आशंका बढ़ा देते हैं।

कंडेंसर पर दबाव बढ़ जाता है और मशीन अधिक बिजली खींचने लगती है। धीरे-धीरे यही स्थिति किसी बड़ी दुर्घटना का रूप ले सकती है। यदि समय-समय पर प्रशिक्षित तकनीशियन से एसी की जांच कराई जाए, गैस का स्तर देखा जाए और बिजली की वायरिंग की स्थिति पर ध्यान दिया जाए, तो अधिकांश हादसों को रोका जा सकता है।

बढ़ती दुर्घटनाओं के पीछे एक और चिंता का विषय बाजार में उपलब्ध निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद हैं। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में कई कंपनियाँ कम कीमत पर उपकरण बेचने के लिए गुणवत्ता से समझौता कर लेती हैं। दूसरी ओर उपभोक्ता भी कम कीमत के लालच में बिना प्रमाणित उत्पाद खरीद लेते हैं। ऐसे उपकरणों में सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होता और उनमें प्रयुक्त पुर्जे भी टिकाऊ नहीं होते। परिणामस्वरूप थोड़ी-सी तकनीकी खराबी भी बड़े हादसे का रूप ले सकती है। इसलिए उपभोक्ताओं को हमेशा प्रमाणित और भरोसेमंद कंपनियों के उत्पाद ही खरीदने चाहिए। यह समस्या केवल घरेलू स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि शहरी विकास और भवन निर्माण व्यवस्था से भी जुड़ी हुई है। आज महानगरों में ऊँची-ऊँची इमारतें तेजी से बन रही हैं, लेकिन उनमें अग्नि सुरक्षा के मानकों का पालन हमेशा संतोषजनक नहीं होता। कई इमारतों में फायर अलार्म, स्प्रिंकलर सिस्टम और आपातकालीन निकासी मार्ग केवल औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। नियमित मॉक ड्रिल नहीं होती और निवासी भी आपदा की स्थिति में क्या करना चाहिए, इससे अनजान रहते हैं। परिणामस्वरूप छोटी-सी आग भी भयावह रूप धारण कर लेती है।

दमकल विभाग की चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। देश के अनेक शहरों में संसाधनों और आधुनिक उपकरणों का अभाव है। ऊँची इमारतों तक पहुँचने वाली हाइड्रोलिक सीढ़ियाँ और उच्च क्षमता वाले अग्निशमन उपकरण पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हैं। कई बार संकरी सड़कें, अवैध पार्किंग और अव्यवस्थित यातायात भी दमकल वाहनों के समय पर पहुँचने में बाधा बन जाते हैं। ऐसे में आग पर नियंत्रण पाने में देरी होती है और नुकसान कई गुना बढ़ जाता है। यह स्थिति बताती है कि केवल नागरिकों की सतर्कता ही नहीं, बल्कि सरकारी तैयारियों को भी अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है। जलवायु परिवर्तन भी इस समस्या को और गंभीर बना रहा है। हर वर्ष तापमान के नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, जिससे एसी का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। बिजली की मांग बढ़ने से विद्युत व्यवस्था पर भी अतिरिक्त दबाव पड़ता है। कई क्षेत्रों में पुरानी वायरिंग और ओवरलोड ट्रांसफार्मर दुर्घटनाओं की संभावना बढ़ा देते हैं। इसलिए ऊर्जा अवसंरचना को भी समय के अनुरूप आधुनिक बनाना आवश्यक है, ताकि बढ़ती जरूरतों को सुरक्षित ढंग से पूरा किया जा सके।

इसका समाधान केवल सरकार या कंपनियों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। एसी को लगातार कई घंटों तक बिना आवश्यकता के न चलाना, समय-समय पर उसकी सर्विस कराना, सही क्षमता वाले बिजली के तार और एमसीबी का उपयोग करना, एक्सटेंशन बोर्ड से भारी उपकरण न चलाना तथा घर में अग्निशामक यंत्र रखना जैसी छोटी-छोटी सावधानियाँ बड़े हादसों को रोक सकती हैं।

साथ ही परिवार के सभी सदस्यों को यह जानकारी भी होनी चाहिए कि आग लगने की स्थिति में घबराने के बजाय सुरक्षित तरीके से बाहर कैसे निकला जाए और तुरंत दमकल विभाग को सूचना कैसे दी जाए। वास्तव में आधुनिक तकनीक का उद्देश्य जीवन को सरल और आरामदायक बनाना है, न कि उसे संकट में डालना। इसलिए सुविधा और सुरक्षा का संतुलन बनाए रखना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। नोएडा जैसी घटनाएँ केवल समाचार नहीं हैं, बल्कि चेतावनी हैं कि यदि हम अभी भी नहीं चेते तो भविष्य में ऐसे हादसे और बढ़ सकते हैं। सरकार को सुरक्षा मानकों का कठोर पालन सुनिश्चित करना होगा, भवन निर्माताओं को अग्नि सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी, कंपनियों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध कराने होंगे और नागरिकों को जिम्मेदार उपभोक्ता बनना होगा। जब तकनीक के साथ सतर्कता, गुणवत्ता के साथ जिम्मेदारी और सुविधा के साथ सुरक्षा भी जुड़ जाएगी, तभी आधुनिक जीवन वास्तव में सुरक्षित, सुखद और विश्वासपूर्ण बन सकेगा।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अनुपम खेर, शबाना आजमी ने मशहूर रंगकर्मी विजया मेहता को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। अभिनेता अनुपम खेर और अभिनेत्री शबाना आजमी ने बुधवार को मशहूर रंगकर्मी एवं रंगमंच निर्देशक तथा अभिनेत्री विजया मेहता को एक दूरदर्शी कलाकार के रूप में याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय रंगमंच को नया रूप दिया और कलाकारों, निर्देशकों तथा कथाकारों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। मेहता को प्यार से लोग ''बाई'' कहकर बुलाते थे। उनका मंगलवार रात को दक्षिण मुंबई स्थित उनके घर पर उम्र संबंधी बीमारियों के कारण निधन हो गया। वह 92 साल की थीं। मेहता के साथ उनकी चर्चित फिल्मों 'राव साहेब' (1986) और 'पेस्टनजी' (1988) में काम कर चुके खेर ने उन्हें भारत की अब तक की सबसे बेहतरीन रंगमंच प्रतिभाओं में से ''एक'' बताया।

उन्होंने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, ''विजया मेहता – एक महान हस्ती! विजया मेहता के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वह भारत की सबसे बेहतरीन रंगमंच हस्तियों में से एक थीं जो एक शानदार फिल्मकार और सबसे बढ़कर, एक बेहतरीन इंसान थीं।'' अभिनेता ने कहा कि मेहता के साथ काम करना उनके लिए एक बदलाव लाने वाला अनुभव था। उन्होंने लिखा, ''मुझे 'राव साहेब' और 'पेस्टनजी' में विजया बाई के साथ काम करने का सौभाग्य मिला। मैं तब तक कुछ फिल्में कर चुका था और सोचता था कि अभिनय को समझता हूं। लेकिन उनके साथ हर रिहर्सल मुझे याद दिलाता था कि इस कला का सागर कितना अथाह है।'' खेर ने कहा कि मानव व्यवहार की गहरी समझ होने के बावजूद मेहता कभी भी अपना ज्ञान दूसरों पर थोपती नहीं थीं। उन्होंने लिखा, उनका अनुशासन शालीनता में, उनकी आत्मीयता विनम्रता में और उनकी प्रतिभा सादगी में लिपटी हुई थी। उन्होंने यह भी कहा, मृत्यु की सबसे क्रूर बात यह है कि खबर सुनते ही हमें किसी प्रिय व्यक्ति के बारे में भूतकाल में बात करनी पड़ती है, जबकि दिल को इसे स्वीकार करने में समय लगता है।

अभिनेत्री शबाना आजमी ने कहा कि मेहता ने अपनी निडर रचनात्मकता और कलात्मक दृष्टि से भारतीय रंगमंच को नए रूप में परिभाषित किया। उन्होंने 'इंस्टाग्राम' पर लिखा, जब आप ऐसे कलाकारों की बात करते हैं जो केवल अभिनय नहीं करते बल्कि वे कला के स्वरूप को ही बदल देते हैं तो जिनका नाम हमारे दिमाग में सबसे पहले आता है वह हैं विजया मेहता। वह एक दूरदर्शी थीं, जिन्होंने अपनी जिज्ञासा और निर्भीक रचनात्मकता के साथ भारतीय रंगमंच को बदल दिया और कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। आजमी ने कहा कि उनका काम केवल रंगमंच तक सीमित नहीं था बल्कि वह सत्य, मानवता और कहानी कहने की असीम शक्ति के बारे में था। विजया मेहता ने नाटककार विजय तेंदुलकर, अभिनेता डॉ. श्रीराम लागू और रंगकर्मी अरविंद देशपांडे के साथ मिलकर प्रभावशाली थिएटर समूह ''रंगायन'' की स्थापना की थी। उन्होंने एक 'शून्य बाजीराव', 'बैरिस्टर', 'हमीदाबाईची कोठी', 'पुरुष', 'महासागर' और 'शाकुंतल' जैसे चर्चित नाटकों का निर्देशन किया, साथ ही 'राव साहेब' और 'पेस्टनजी' जैसी समीक्षकों द्वारा प्रशंसित फिल्मों का निर्देशन भी किया। उनके परिवार में एक बेटी और दो बेटे हैं।

'बांसुरी मेरा परिवार है' : हरिप्रसाद चौरसिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंडित हरिप्रसाद चौरसिया ने बुधवार को अपने 88वें जन्मदिन पर कहा कि बांसुरी उनके व्यक्तित्व का सिर्फ एक हिस्सा भर नहीं, बल्कि यह उनका परिवार भी है, एक ऐसा परिवार जो उन्हें जन्म से मिला और जिसने उन्हें एक संगीतकार के तौर पर पहचान दी। अपनी असाधारण प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले चौरसिया ने अपने अतीत के अनुभव पर नजर डालते हुए कहा कि बांसुरी हमेशा उनकी साथी रही है।

चौरसिया ने 'पीटीआई–भाषा' से कहा, ''बांसुरी मेरा परिवार है और हमेशा मेरा परिवार ही रहेगी। जब तक मैं यहां हूं और मेरी बांसुरी मेरे साथ है, यह परिवार चलता रहेगा। और लोग, चाहे उन्हें ये पसंद हो या न हो, किसी भी दूसरे वाद्ययंत्र की तुलना में बांसुरी को ज्यादा सुनेंगे।''

लोगों के बीच 'पंडितजी' नाम से प्रख्यात चौरसिया अपने जन्मदिन के मौके पर दिल्ली में थे।

यहां उनके बेटे राजीव द्वारा तैयार किए गए संगीत कार्यक्रम बांसुरी जब गाने लगे' का आयोजन किया गया था। पंडित हरिप्रसाद की बहू और ओडिसी नृत्यांगना पुष्पांजलि चौरसिया द्वारा लिखित और एचसीएल कॉन्सर्ट्स' द्वारा प्रस्तुत यह कार्यक्रम, भारत के सबसे मशहूर शास्त्रीय संगीतकारों में से एक के जीवन को उन किरदारों और अनुभवों के नाटकीय चित्रण के जरिए दिखाता है जिन्होंने उनके सफर को आकार दिया। इस प्रस्तुति में भारतीय सिनेमा के लोकप्रिय गाने शामिल हैं, जिन्हें चौरसिया ने बांसुरी पर अपनी सुरीली धुनों से पिरोया है। चौरसिया ने कहा, ''यह प्रस्तुति उनकी (राजीव और पुष्पांजलि) है। जब मैं अपना खुद का कुछ बनाऊंगा, तब आप उसे देखेंगे। बांसुरी ही मेरी जिंदगी है।'' उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में 1938 में आज ही के दिन जन्मे बांसुरी–वादक हरिप्रसाद ने अपने शुरुआती संगीत की शिक्षा अपने पिता से छिपकर ली थी क्योंकि उनके पिता चाहते थे कि बेटा भी उन्हीं की तरह पहलवान बने।

अमेरिका ने रूस से संबंधित प्रतिबंध सूची से चार भारतीय कंपनियों के नाम हटाए

वाशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने उन चार भारतीय कंपनियों के नाम अपनी प्रतिबंध सूची से हटा दिए हैं, जिन पर रूस के सैन्य–औद्योगिक अड्डे को उन्नत तकनीक और उपकरणों की आपूर्ति करने का आरोप था। इन कंपनियों के नाम अमेरिकी वित्त विभाग के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) की विशेष रूप से नामित नागरिक और प्रतिबंधित व्यक्तियों (एसडीएन) की सूची से हटा दिए गए हैं। अमेरिकी वित्त मंत्रालय द्वारा मंगलवार को साझा की गई जानकारी के अनुसार, इन चार कंपनियों में हैदराबाद स्थित आरआरजी इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और लोकेश मशीन्स लिमिटेड, अहमदाबाद स्थित गैलेक्सी बियरिंग्स और नई दिल्ली स्थित शौर्य एयरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं।अमेरिका ने अक्टूबर 2024 में गैलेक्सी बियरिंग्स लिमिटेड पर प्रतिबंध लगाया था और उस पर रोलर बियरिंग्स एवं रोलर असेंबली सहित दर्जनों उच्च प्राथमिकता वाले दोहरे उपयोग उपकरणों को रूसी संस्थाओं को निर्यात करने का आरोप लगाया था। शौर्य एयरोनॉटिक्स प्राइवेट लिमिटेड पर रूस को राडार उपकरण, रेडियो नौवहन सहायता उपकरण, रेडियो रिमोट कंट्रोल उपकरण और इलेक्ट्रिकल उपकरण की खेप भेजने का आरोप था। अमेरिका ने आरआरजी इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजीज पर रूस की आर्टेक्स लिमिटेड कंपनी को माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स की 100 से ज्यादा खेप भेजने का आरोप लगाया था जो एसडीएन–सूची में शामिल है।

अनुष्ठान

सनातन धर्म सभा द्वारा शिमला के लोअर बाजार में आयोजित रथ यात्रा के दौरान बुधवार को भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों के सामने अनुष्ठान करते पुजारी।

बिजय कुमार मोहंती ने इरेडा के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाला

नई दिल्ली/भाषा। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी के निदेशक (वित्त) बिजय कुमार मोहंती ने एक जुलाई से कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार संभाल लिया है। इरेडा ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि प्रदीप कुमार दास के 30 जून, 2026 को सेवानिवृत्त होने के बाद मोहंती को तीन महीने की अवधि के लिए सीएमडी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

आइने के सामने खुद को देख रो पड़ती थीं अविका गौर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अविका गौर ने टीवी स्क्रीन पर मासूम 'आनंदी' बनकर घर–घर में पहचान बनाई, लेकिन एक समय उन्हें अपनी जिंदगी में खुद से लड़ाई लड़नी पड़ी थी। वह आईने में खुद को देखकर रो पड़ती थीं। 30 जून 1997 को मुंबई में जन्मीं अविका गौर ने बहुत छोटी उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा। पढ़ाई के साथ–साथ उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया। 2007 में उन्होंने 'शश्श्श...कोई है' से छोटे रोल के जरिए टीवी डेब्यू किया, लेकिन असली पहचान उन्हें 2008 में आए शो 'बालिका वधू' से मिली। इस शो में उन्होंने छोटी आनंदी का किरदार निभाया, जो एक बाल विवाह की कहानी पर आधारित था। उनके मासूम अभिनय ने दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ी और वह बहुत जल्दी घर–घर में पहचानी जाने लगीं। इसके बाद अविका ने 'ससुराल सिमर का' में रोली का किरदार निभाया, जिसमें उन्होंने एक शादीशुदा लड़की की भूमिका निभाई। यह रोल उन्होंने सिर्फ 14 साल की उम्र में किया था। इस शो ने भी उन्हें काफी लोकप्रियता दिलाई। इसमें उनकी और अभिनेता मनीष रायसिंघन की ऑन–स्क्रीन जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। टेलीविजन की सफलता के बाद अविका ने फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने 2009 में 'मॉर्निंग वॉक' और 'पाठशाला' जैसी फिल्मों में काम किया। इसके बाद 2013 में तेलुगु फिल्म 'उय्याला जम्पला' से उन्होंने लीड एक्ट्रेस के तौर पर डेब्यू किया, जिसके लिए उन्हें एसआईआईएमए अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू मिला। यह उनके करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई। एक समय ऐसा भी आया जब अविका अपने शरीर और आत्मविश्वास को लेकर संघर्ष कर रही थीं। उन्होंने खुद बताया था कि एक समय वह आईने में खुद को देखकर टूट गई थीं और रो पड़ी थीं। उन्हें अपना बढ़ा हुआ वजन और बदलता लुक स्वीकार करना मुश्किल लग रहा था। इस मानसिक संघर्ष ने उनकी सोच को बदल दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी जिंदगी को बदलने का फैसला किया। उन्होंने हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाया, नियमित वर्कआउट शुरू किया और अपनी डाइट पर ध्यान देना शुरू किया। इस बदलाव के जरिए उन्होंने करीब 13 किलो वजन कम किया और खोया हुआ आत्मविश्वास वापस पाया। उन्होंने कहा था कि पहली बार उन्होंने खुद को वैसे स्वीकार करना सीखा जैसा वह हैं।

कभी-कभी दर्शक विशेषज्ञों से पहले किसी कहानी की प्रामाणिकता की पहचान कर लेते हैं: महेश भट्ट

नई दिल्ली/भाषा। फिल्मकार महेश भट्ट ने विभाजन पर आधारित इम्तियाज अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' के साथ इसके बॉक्स ऑफिस पर अप्रत्याशित प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब सिनेमा लगातार भव्यता और पौरूषता पर केंद्रित होता जा रहा है, यह फिल्म मन की गहरी भावनाओं को सुनने की कोशिश करती है।

इस फिल्म को शुरुआत में बेहद सुस्त प्रतिक्रिया मिली थी लेकिन बाद में दर्शकों के बीच सकारात्मक प्रतिक्रिया फैलने से इसके बॉक्स ऑफिस पर कमाई में लगातार बढ़ोतरी देखी गई। 'मैं वापस आऊंगा' में नसीरुद्दीन शाह ने 95 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति की भूमिका निभाई है जो अपने अधूरे प्यार को याद करने के लिए अपनी धुंधली यादों को टटोलता है।

फिल्म में वेदांग रैना, शर्वरी और दिलजीत दोसांझ भी नजर आए। 12 जून को रिलीज होने के बाद से इस फिल्म ने वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 70.8 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। निर्माताओं के साथ साझा किए गए एक संदेश में भट्ट ने इस फिल्म और उन दर्शकों की जमकर तारीफ की, जिन्होंने इसकी कहानी को सराहा। उन्होंने कहा कि यह फिल्म सबसे बुरे समय में भी प्यार और करुणा का समर्थन करती है।

भट्ट ने कहा, हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं जहां सिनेमा तेजी से गति, भव्यता और पौरूषता से संचालित हो रहा है। बाजार भी निश्चितता, शोर–शराबे और तुरंत संतुष्टि देने वाली चीजों को पुरस्कृत करता है। ऐसे माहौल में, कोई फिल्म अगर मानवीय आत्मा की गहरी भावनाओं को सुनती है, तो वह लगभग एक विद्रोह की तरह है।

निर्देशक ने कहा, बाजार को अपना फ़ैसला सुनाने का हक है। वह आंकड़ों की भाषा बोलता है और आंकड़े मायने रखते हैं। लेकिन दर्शकों की अपनी एक अनोखी समझ होती है। कभी–कभी वे विशेषज्ञों से पहले ही कहानी की प्रमाणिकता की पहचान कर लेते हैं।

इस इंडस्ट्री में टिकना है तो मानसिक रूप से मजबूत रहना बहुत जरूरी : प्राची सिंह

मुंबई/एजेन्सी

टीवी इंडस्ट्री में कलाकारों को रोज नए किरदार निभाने पड़ते हैं, लंबे समय तक शूटिंग करनी होती है और हर दिन बेहतर परफॉर्म करने का दबाव भी रहता है। ऐसे माहौल में खुद को एक्टिव रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। इसी मुद्दे पर अब टीवी अभिनेत्री प्राची सिंह ने से विचार साझा किए हैं। इन दिनों 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में मंजरी उर्फ मुन्नी का किरदार निभा रहीं प्राची का कहना है कि इस इंडस्ट्री में काम करने के लिए सिर्फ अच्छा अभिनेता होना काफी नहीं है, बल्कि मानसिक रूप से मजबूत और जमीन से जुड़ा रहना भी बेहद जरूरी है। प्राची सिंह ने से बात करते हुए कहा, यह काम बहुत चुनौती भरा है। ऐसे में मानसिक सेहत का ध्यान रखना और सही सोच बनाए रखना बहुत जरूरी है। इस इंडस्ट्री में बहुत धैर्य की जरूरत होती है। अगर आप छोटी–छोटी बातों से परेशान होने लगेंगे, तो लंबे समय तक यहां टिक पाना मुश्किल हो सकता है। इसलिए खुद को मानसिक रूप से मजबूत रखना जरूरी है।'

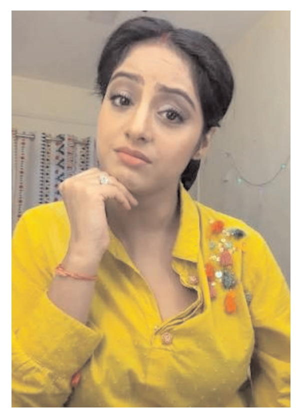

उन्होंने कहा, परिवार और अपनी जड़ों से जुड़े रहना इंसान को अंदर से मजबूत बनाता है। जब कोई व्यक्ति अपने परिवार के साथ जुड़ा रहता है, तो एक अलग सुकुन मिलता है। सबसे जरूरी बात यह है कि इंसान हमेशा खुद जैसा है, वैसा ही रहे।

दिखावे में जीने से मन कभी शांत नहीं रहता। प्राची ने कहा, सफलता मिलने के बाद भी इंसान को विनम्र बने रहना चाहिए। मनोरंजन की दुनिया में जमीन से जुड़े रहना थोड़ा मुश्किल जरूर होता, लेकिन अगर इंसान व्यवहार और सोच को नहीं बदलता, तो वह हर परिस्थिति में खुश रह सकता है। मैं चाहूंगी कि हर कलाकार सफलता मिलने के बाद भी विनम्र बना रहे।

बातचीत के दौरान प्राची सिंह ने अभिनय के तरीके के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, मेरे लिए इमोशनल सीन्स सबसे ज्यादा मुश्किल होते हैं। ऐसे सीन्स में मैं सोचती हूं कि अगर मेरे साथ ऐसा होता तो मैं कैसा महसूस करती और कैसी प्रतिक्रिया देती। जब आप उस दर्द या खुशी को सच में महसूस करने लगते हैं, तभी वह इमोशन्स पर्दे पर भी सच्चे दिखाई देते हैं। यही तरीका मुझे इमोशनल सीन्स को शूट करने में मदद करता है। प्राची ने 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' के सेट का अनुभव भी साझा किया। उन्होंने बताया, वहां काम का माहौल बहुत अच्छा है और अनुभवी कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए सीखने का शानदार मौका है। इस शो के लिए मुझे अचानक ऑडिशन भेजने के लिए कहा गया था। मैंने किरदार की जानकारी मिलने के बाद तुरंत ऑडिशन रिकॉर्ड करके भेज दिया। करीब 10 से 15 दिन बाद मुझे फोन आया और बताया गया कि मेरा सलेक्शन हो गया है। यह खबर सुनकर मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मैं इस मौके को अपने करियर का बेहद खास पड़ाव मानती हूं।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर में राघव चड्ढा संग पहुंचीं परिणीति चोपड़ा, की आरती

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा एक बार फिर अपने आध्यात्मिक और निजी पलों को लेकर सुर्खियों में हैं। मंगलवार को उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीजियो पोस्ट की, जिसमें वह अपने पति और आम आदमी पार्टी के नेता राघव चड्ढा के साथ मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित प्रसिद्ध महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर के दर्शन करती दिख रही हैं। वीडियो में परिणीति पिंक कलर की साड़ी में नजर आ रही हैं। पूजा के दौरान उन्होंने अपने सिर को पल्लू रखा हुआ है। वहीं राघव चड्ढा भी ट्रेडिशनल आउटफिट में दिखाई दिए। दोनों मंदिर में भगवान शिव के आगे हाथ जोड़कर प्रार्थना करते हुए दिखे। उन्होंने विधि–विधान के साथ आरती भी की। इस वीडियो के साथ परिणीति ने कैप्शन लिखा, मैंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान एक शांत सुबह में शिव स्तुति 'नमामि शमिशम' को रिकॉर्ड करने का फैसला किया था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसे इतना प्यार मिलेगा। यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है कि यह

आपकी सुबह की प्लेलिस्ट में शामिल हो गई है, ठीक वैसे ही जैसे यह सालों से हमारे परिवार की आध्यात्मिक दिनचर्या का हिस्सा रही है। उनके इस पोस्ट के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं और उनकी तारीफ कर रहे हैं। बता दें कि अपने पोस्ट में उन्होंने जिस शिव स्तुति 'नमामि शमिशम' का जिक्र किया है, उसे हाल ही में उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया था। इसको गीत को लेकर परिणीति ने बताया था कि यह गीत उनकी जिंदगी का एक भावुक अध्याय की याद बन गया है। जब भी वह इस गीत को सुनती हैं, तो उन्हें अपनी गर्भावस्था का सुंदर समय याद आता है। अब अगर इस कपल की लव स्टोरी की बात करें, तो परिणीति और राघव की कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं लगती। दोनों की पहली मुलाकात लंदन में एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान हुई थी, जहां दोनों को अलग–अलग क्षेत्रों में सम्मान मिला था। शुरुआत में यह सिर्फ एक औपचारिक मुलाकात थी, जिसमें राघव ने उन्हें ब्रेकफास्ट मीटिंग पर आने के लिए कहा। यहीं से दोनों के बीच एक अलग ही केमिस्ट्री बनने लगी। दोनों अक्सर एक–दूसरे से मिलने लगे। फिल्म 'चमकीला' की शूटिंग के लिए जब परिणीति पंजाब में थीं, तो राघव उनसे मिलने वहां पहुंचे थे।

दोनों ने जल्द ही अपना रिश्ता सार्वजनिक किया और मई 2023 में सगाई कर ली। इसके बाद 24 सितंबर 2023 को दोनों ने राजस्थान के उदयपुर में शाही अंदाज में शादी की, जिसमें बॉलीवुड और राजनीति जगत की कई बड़ी हस्तियां शामिल हुईं।

भीषण गर्मी और बुखार में भी अमिताभ ने पूरा किया सीन : नीना गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस नीना गुप्ता ने एक बार बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन के काम के प्रति अटूट समर्पण के बारे में बात की थी। उन्होंने याद किया था कि कैसे तेज गर्मी में तेज बुखार होने के बावजूद उन्होंने 'ऊंचाई' की शूटिंग जारी रखी थी। 'कौन बनेगा करोड़पति' के सेट के एक पुराने वीडियो में, जहां नीना अपनी फिल्म 'ऊंचाई' के को–स्टार्स अनुपम खेर और बोमन ईरानी के साथ एक स्पेशल एपिसोड के लिए आई थीं, एक्ट्रेस ने एक ऐसी घटना के बारे में बताया जिसने उन पर गहरा असर डाला। अमिताभ बच्चन से बात करते हुए नीना ने कहा कि उन्होंने अपने साथी एक्टर्स, खासकर उनसे, बहुत कुछ सीखा है।उस घटना को याद करते हुए उन्होंने कहा, शूटिंग के दौरान एक दिन मैं छांव में खड़ी थी, जबकि अमित जी, अनुपम जी और बोमन दिल्ली के खेतों में दोपहर की तेज धूप में एक सीन शूट कर रहे थे। अमिताभ (जी) ने बहुत आसानी से सीन पूरा कर लिया। बाद में किसी ने मुझे बताया कि उन्हें बुखार था। मुझे एहसास हुआ कि यह बहुत बड़ी बात है।नीना ने आगे बताया कि इस घटना ने काम के प्रति उनके नजरिए को बदल दिया।उन्होंने कहा, कुछ दिनों बाद, मेरी नाइट शूटिंग थी। मुझे बहुत खांसी हो रही थी और मैं लगातार शिकायत कर रही थी। मैं डायरेक्टर से मुझे जाने देने के लिए कहने के बारे में भी सोच रही थी। लेकिन तभी मुझे बुखार होने के बावजूद तेज गर्मी में खड़े अमित जी याद आए। मैंने खुद से कहा, 'अगर वह ऐसा कर सकते हैं, तो तुम्हें भी चुपचाप अपना काम करना चाहिए।' यही कमिटमेंट है।अपने खास अंदाज में मजाक करते हुए अमिताभ बच्चन ने कहा, यह हमारा काम है। इसे बनाए रखने के लिए हमें क्या–क्या नहीं करना पड़ता।

नीना ने सेट पर हमेशा पॉजिटिविटी बनाए रखने के लिए अनुपम खेर की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि उनमें अपने आस–पास के सभी लोगों का हौसला बढ़ाने की खास काबिलियत है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी को उदास देखना पसंद नहीं है और वह हमेशा लोगों का मूड और हौसला बढ़ाने के लिए तैयार रहते हैं।'ऊंचाई' फिल्म की बात करें तो इसे सूरज बड़जात्या ने डायरेक्ट किया था और यह 2022 में रिलीज हुई थी।इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर, बोमन ईरानी, ड्ड्ड्नीना गुप्ता, सारिका, परिणीति चोपड़ा और डैनी डेन्जोंगपा ने काम किया था। फिल्म की कहानी तीन बुजुर्ग दोस्तों के इर्द–गिर्द घूमती है, जो अपने गुजर चुके दोस्त की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए एवरेस्ट बेस कैंप की यात्रा पर निकलते हैं।अमिताभ बच्चन और अपने काम के प्रति उनके समर्पण की बात करें तो, 83 साल की उम्र में भी यह मेगास्टार इंडस्ट्री के सबसे व्यस्त अभिनेताओं में से एक बने हुए हैं और समय या घंटों की परवाह किए बिना अपने काम के लिए शूटिंग करते हुए देखे जाते हैं।अभिनेता 60 सालों से ज्यादा समय से इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं। फिलहाल, अपनी फिल्मों के अलावा, यह दिग्गज स्टार अपने मशहूर क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के होस्ट के तौर पर वापसी करने वाले हैं और इसके नए सीजन के जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है।

विजय कटारिया बने तेयुप हनुमंतनगर के नए अध्यक्ष

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथ युवक परिषद (तेयुप), हनुमंतनगर की नौवीं वार्षिक साधारण अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। सभा के अध्यक्ष गौतम दक ने श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन किया। मंत्री देवेंद्र आंचलिया ने गत सभा की कार्यवाही का वाचन कर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सदस्यों का विशेष सम्मान किया गया। कोषाध्यक्ष विजय कटारिया ने आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। चुनाव अधिकारी राजेंद्र बैद एवं सहचुनाव अधिकारी धर्मेश कोठारी ने वर्ष 2026-27 के लिए विजय कटारिया को सर्वसम्मति से नया अध्यक्ष घोषित किया। संगठन मंत्री प्रणव धारीवाल ने सभी को धन्यवाद दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में परिषद के सदस्य उपस्थित थे।

नियम कोई बंधन नहीं अपितु जीवन का सुरक्षाकवच : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

महबूबनगर(तेलंगाना)/दक्षिण भारत। शहर के जयप्रकाश नारायण इंजीनियरिंग कॉलेज में विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों के लिए आयोजित संवाद में उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि अक्सर नीति-नियमों से लोगों को परहेज होता है। हर कोई उन्हें बंधन समझता है। यहीं पर मनुष्य के ध्यान और साधना का इम्तिहान है। मन की मनस्विता खतरनाक परिणाम ला सकती है। नीति, नियम और अनुशासन के अभाव में मनस्वी मनुष्य का जीवन अनियंत्रित होता है। उनका परिपुष्ट अभिमान अनेक ठोकरें खाकर भी नहीं टूटता। ऐसे लोग स्वयं को बहुत समझदार मानते हैं। यह जीवन की अत्यंत दयनीय स्थिति है। दरअसल, नीति-नियम तो जीवन के लिए उपकारी होते हैं। वे हमें भटकने और पतित होने से बचाते हैं। उन्होंने कहा कि संयमित जीवन ही श्रेष्ठ व सुरक्षित होता है। नीति-नियम जीवन को नियंत्रित करते हैं। सीमाओं का उल्लंघन कभी हितकारी नहीं होता। सूर्य, समुद्र, पृथ्वी, हवा, नदी, बरसात, सभी अपनी मर्यादाओं में रहते हैं। जिस दिन ये मर्यादाओं को तोड़ते हैं, उस दिन विपदा चली आती है, हजारों-लाखों जिंदगियां स्वाहा हो जाती हैं। ङ्कङ्कउन्होंने कहा, वैसे मनुष्य का मन सदैव स्वच्छंदी, स्वतंत्र, उन्मुक्त, नियंत्रण विहीन रहना चाहता है। उसे कोई कुछ न कहे तो अच्छा लगता है। ऐसे लोग धर्मगुरु, शिक्षक, धर्मशास्त्र या अभिभावक, किसी की भी शर्म अथवा अधीनता में रहना नहीं चाहते। यह इंसान के अजीबोगरीब स्वभाव की प्रतीति है। अमूमन, ऐसे लोग जीवन-पथ से भटक जाते हैं। ठीक वैसे ही, जैसे बिना नियंत्रण के तेज रफ्तार से चलता कोई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। ङ्कसंतश्री ने कहा कि बंधनों की अगर चर्चा करें तो जन्म से मरण तक मनुष्य को हजारों पाबंदियों के बीच जीना पड़ता है। उन सबको हम स्वीकार कर चलते हैं। सिर्फ धार्मिक नीति-नियम ही लोगों को अखरते हैं। एक बार निष्पक्ष भाव से धार्मिक नीति-नियमों की आवश्यकता, उपयोगिता और महत्ता पर चिंतन-मंथन करना चाहिए, तभी जीवन का खरा मूल्यांकन हो सकता है। विशाल शिक्षण संस्थान के रेड्डी बंधुओं ने जैनाचार्य का स्वागत-अभिवादन कर कृतज्ञता ज्ञापित की। अनेक पदाधिकारियों ने भी प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए।

पापों के प्रायश्चित से ही कल्याण संभव : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु। संतश्री पुष्करमुनि की शिष्या साध्वीश्री मंगलज्योतिजी का बुधवार को शूले स्थित महावीर जैन भवन में मंगल प्रवेश हुआ। उन्होंने अपने प्रवचन में कहा कि साधक पर पाप, दोष लगाना स्वाभाविक है लेकिन अपने पाप, दोषों को जानकर गुरु के समक्ष उसकी निन्दा और आलोचना करते हुए प्रायश्चित करने से ही इस जीवात्मा का आत्म कल्याण संभव है। साध्वीश्री ने श्रेणिक महाराजा का दृष्टांत देते हुए कहा कि जीवों की हिंसा करके भी उन्होंने उस प्रगाढ़ आसक्ति के कारण उसने नरक गति का निकाचित बंध कर लिया और कर्म बांध लिया। साध्वीश्री का आगामी चातुर्मास शांतिनगर जैन स्थानक में होगा। प्रवचन में शूले के अतिरिक्त शांतिनगर से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

होर्मुज जलडमरूमध्य में पोत फंसा, कतर में अमेरिकी राजनयिक बातचीत के लिए पहुंचे

दुबई/एपी। ईरान द्वारा निर्धारित मार्ग का पालन नहीं करने के कारण एक पोत होर्मुज जलडमरूमध्य में फंस गया है। ईरान के सरकारी टेलीविजन ने बुधवार को इस बारे में खबर दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध को स्थायी रूप से खत्म करने पर बातचीत के लिए अमेरिका के पश्चिम एशिया मामलों के दूत स्टीव विटकॉफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर कतर के दोहा में मौजूद हैं। ईरानी टेलीविजन की खबर में प्रभावित जहाज की पहचान एक विदेशी कंटेनर पोत के तौर पर की गई। हालांकि, इसके अलावा और कोई जानकारी तुरंत नहीं दी गई है। प्रतीत होता है कि ईरानी सरकारी टीवी की रिपोर्ट का मकसद ईरान के उन दावों को पुख्ता करना है जो तेहरान ने अमेरिका-ईरान युद्ध के बाद से इस जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर किए गए हैं। दुनिया इसे लंबे समय से एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग मानती रही है और युद्ध से पहले दुनिया के तेल और प्राकृतिक गैस का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा यहीं से गुजरता था।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक के अध्यक्ष बालू पंचारिया (चित्र 1), विप्र फाउंडेशन बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय व महासचिव हेमंत परवाल तथा जोन-18 के सदस्य (चित्र 2) एवं तुलसीराम उपाध्याय परिवार (चित्र 3) द्वारा मुख्य अतिथि का अभिनंदन।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज एवं विप्र फाउंडेशन ने हरिगोपाल उपाध्याय का किया अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतवर्षीय श्री महर्षि गौतम शैक्षणिक एवं परमार्थिक ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरि गोपाल उपाध्याय का बेंगलूरु में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ, विप्र फाउंडेशन जोन-18 के संरक्षक एवं पूर्व अध्यक्ष तुलसीराम उपाध्याय के निवास पर एक गरिमामय सादे कार्यक्रम में अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण) श्रीकांत पाराशर भी उपस्थित थे। तुलसीराम उपाध्याय के परिवार जनों के अलावा, श्री गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज कर्नाटक के अध्यक्ष बालू पंचारिया तथा समाज के सदस्यों ने, विप्र फाउंडेशन बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय, महासचिव हेमंत परवाल एवं जोन के पदाधिकारियों ने हरि गोपाल को कर्नाटक का फेंटा व माला पहनाकर, शाल ओढ़ाकर, पुष्प गुच्छ भेंटकर सम्मान किया। श्रीकांत पाराशर ने भी शाल ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। गुर्जर गौड़ समाज के वरिष्ठ तथा ट्रस्ट के कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष हीरालाल जोशी ने ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष का परिचय दिया। तुलसीराम उपाध्याय ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया।

इस अवसर पर हरिगोपाल उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में ट्रस्ट के उद्देश्य एवं कार्यशैली के बारे में जानकारी दी तथा बताया कि पिछले लगभग 12 वर्षों में ट्रस्ट ने समाज के लिए किस तरह से शिक्षा क्षेत्र में युवाओं को सहयोग कर कितनी अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट की ओर से समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए ऋण दिया जाता है जो शिक्षा पूरी होने के एक वर्ष बाद से आसान किश्तों में वह ऋण विद्यार्थी इस ट्रस्ट को वापस लौटाने के लिए बाध्य होता है। आर्थिक रूप से जरूरतमंद बच्चों को स्कूली पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति भी देने का प्रावधान है जो वापस नहीं ली जाती है। उन्होंने समाज के उन उदारमना दानदाताओं के प्रति आभार भी व्यक्त किया जिनके सहयोग के कारण यह योजना अबाध रूप से लगातार चल रही है। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट में धन संग्रह के लिए अनेक योजनाएं हैं जिनमें समाज के लोग अपना सहयोग देते हैं और ट्रस्टीशिप से भी धन संग्रहित होता है जिसके ब्याज से तथा डोनेशन से छात्रवृत्ति आवंटन में सहयोग मिलता है।

विप्र फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष(दक्षिण) श्रीकांत पाराशर ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कुछ सुझाव भी दिए। इस मौके पर राजगोपाल तिवाड़ी, अशोक शर्मा, विकास उपाध्याय, राजेंद्र उपाध्याय, राधेश्याम पंचारिया, रमेश उपाध्याय, नटवर पंचारिया, जितेन्द्र उपाध्याय आदि भी उपस्थित थे।

भगवान हमेशा भक्त के वश में होते हैं : कथा वाचक राजनंदिनी

कथा के तीसरे दिन हुआ महान चरित्रों का वर्णन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय भारतीय राजपूताना सेवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का तृतीय दिवस अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। प्रातः एवं सायंकालीन सत्र का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार, मंगल आरती एवं मधुर भजन-कीर्तन से हुआ। कथा स्थल पर बड़ी संख्या में महिलाओं, पुरुषों, युवाओं एवं बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में उपस्थित होकर सनातन संस्कृति के प्रति अपनी आस्था का परिचय दिया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार, महासचिव प्रेम सिंह विशेष रूप से उपस्थित थे। ङ्कङ्कव्यासपीठ से कथा वाचक राजनंदिनीजी ने कथा का अमृतपान कराते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सत्य, प्रेम, करुणा, सेवा, भक्ति और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य प्रकाश-पुंज है। उन्होंने कहा कि जिस व्यक्ति के जीवन में भगवान के नाम का स्मरण, सत्संग एवं भागवत कथा का श्रवण होता है, उसके जीवन से अज्ञान, अहंकार और नकारात्मकता का नाश होकर सुख, शांति और आत्मिक आनंद का संचार होता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने तथा परिवार एवं समाज में संस्कार, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा देने का आह्वान किया। राजनंदिनीजी ने बुधवार को ध्रुव चरित्र, प्रह्लाद चरित्र, शुकदेव चरित्र का वर्णन करते हुए कहा कि भगवान हमेशा भक्त के वश में होते हैं। भक्त जब पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ अपने प्रभु को याद करते हैं तब भगवान स्वयं अपने भक्तों के कल्याण के लिए अवतरित हो जाते हैं। हमें इन महान चरित्रों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। कथा के समापन पर सामूहिक आरती एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया।

साध्वीश्री ऋद्धिश्री व सिद्धिश्री का चातुर्मास श्रीरामपुरम नागप्पा ब्लॉक में

बेंगलूरु। श्रमण संघीय प्रवर्तक सुकनमुनिजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वीश्री प्रेमकुंवरजी की शिष्या साध्वीश्री ऋद्धिश्रीजी 'रम्या' व सिद्धिश्रीजी 'सौभ्या' का इस वर्ष का वर्षावास श्रीरामपुरम नागप्पा ब्लॉक स्थित रमेश सियाल परिवार के 'प्रगति वाटिकाञ में होना तय हुआ है तथा उनका चातुर्मास प्रवेश 22 जुलाई को होगा।

जीतो साउथ लेडीज़ विंग द्वारा आर्थराइटिस वर्कशॉप का हुआ आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग ने मंगलवार को स्वास्थ्य एवं पोषण प्रकोष्ठ के अंतर्गत 'स्टेप अप नामक नी अवेयरनेस एवं नी आर्थराइटिस वर्कशॉप' का आयोजन किया जिसका उद्देश्य महिलाओं में घुटनों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नी आर्थराइटिस संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना था। चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में सीनियर रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन, अपोलो हॉस्पिटल्स के डॉ. दीपक इनामदार ने घुटनों की संरचना, कार्यप्रणाली तथा बढ़ती आयु के साथ होने वाली समस्याओं की विस्तृत जानकारी दी। ङ्कउन्होंने कहा कि नी-आर्थराइटिस उम्र बढ़ने का अनिवार्य परिणाम नहीं है तथा समय पर देखभाल, नियमित व्यायाम एवं सही जीवनशैली अपनाकर इसकी प्रगति को काफी हद तक रोका जा सकता है। इस शिविर में 50 वर्ष से अधिक आयु की सदस्याओं के लिए निःशुल्क घुटना आर्थराइटिस जांच एवं परामर्श शिविर भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन संयुक्त सचिव साक्षी नाहर ने किया।

आडुगोड़ी में आयोजित हुआ 'महासभा आपके द्वार' कार्यक्रम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। तेरापंथी महासभा के पदाधिकारियों ने महासभा आपके द्वार अभियान के तहत आडुगोड़ी सभा में संगठन यात्रा का आयोजन किया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष कन्हैयालाल सिंघी के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल द्वारा आडुगोडी एवं कोरमंगला क्षेत्र का दौरा किया गया तथा अनेक तेरापंथी परिवारों के घरों में जाकर उनकी सँभाल की, पारिवारिक सौहार्द को प्रोत्साहन दिया तथा महासभा, ज्ञानशाला तथा अन्य संघीय गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभा की गतिविधियों एवं महासभा के आयामों की जानकारी प्रदान की व तेरापंथ सभा से जुड़ने का आह्वान किया।

दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में पूनम मेले पर उमड़े श्रद्धालु

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। स्थानीय दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ में भंसाली परिवार के सौजन्य से पूनम मेले का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। लाभार्थी परिवार द्वारा तीर्थ धाम पर पार्श्व भैरव महापूजन का लाभ लिया। विधिकार ने पूजा पढाई एवं गायकों ने धार्मिक स्तवनों व भजनों की तथा संभव संगीत मंडल द्वारा संगीत की प्रस्तुति दी गई। पूनम मेले में लाभार्थियों द्वारा परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प अर्पण एवं तेल चढाया गया। लाभार्थी परिवार ने भैरव दादा को हार, अष्टप्रकारी थाल अर्पण किया। इस अवसर पर बेंगलूरु इकाई के राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार के संयोजक राकेश सालेचा व अन्य सदस्यों ने रेल यात्रा द्वारा 60वीं पूनम संघ यात्रा निकाली। ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक कुमार सुराना ने सभी लाभार्थियों का सम्मान किया।

'सोलस' में प्रभु जन्मकल्याणक से अंजनशलाका प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय शंखेश्वर पार्श्वनाथ जिनालय ट्रस्ट, सोलस-2 में गच्छाधिपति जैनाचार्य युगभूषणसूरीश्वरजी (पंडित महाराज), आचार्यश्री अरिहंत सागरजी एवं अनेक साधु साध्वियों की निश्रा में अंजनशलाका महोत्सव के तहत बुधवार को प्रभु का जन्म कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बुधवार को सुबह से ही जिनालय में विशेष धार्मिक क्रियाओं का शुभारंभ हुआ। जन्म कल्याणक के पावन प्रसंग पर प्रभु की प्रतिमा का अलौकिक श्रृंगार किया गया। इसके पश्चात विधि-विधान और मंत्रोच्चार के बीच परमात्मा के 18 महा-अभिषेक किए गए। मेरु पर्वत पर इन्द्रों द्वारा मेरु पर्वत पर परमात्मा के जन्म कल्याणक का मंचन किया गया। आगामी दिनों में प्रतिष्ठा और अंजनशलाका की मुख्य विधियां संपन्न होंगी। संगीतकारों की सुमधुर लहरियों पर ट्रस्टी किशोर जैन, अशोक नागौरी, कुशलराज गुलेच्छा, समिति के महावीर मेहता, शांतिबाई साकरिया, राजू सुजानी, राजू हीरानी, नेमीचंद रांका आदि श्रद्धालु झूमते नजर आए। इस मौके पर अशोक मेहता, आदित्य जैन, बाबूलाल नागौरी, उत्तम गुलेच्छा आदि अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

गोवध पर रोक लगाने के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहुंची तमिलनाडु सरकार

नई दिल्ली/भाषा। तमिलनाडु सरकार ने राज्य में गायों और बछड़ों के वध पर पूरी तरह रोक लगाने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी है। तमिलनाडु सरकार ने अपनी याचिका में उच्च न्यायालय के 27 मई के उस आदेश को चुनौती दी है जिसमें मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि राज्य में 28 मई को बकरीद की पूर्व संध्या पर या किसी भी अन्य दिन किसी गाय या बछड़े का वध न किया जाए।

उच्च न्यायालय का यह आदेश 1976 के उस आदेश पर आधारित था, जिसमें दुग्ध उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार के हित में गोवध पर रोक लगाई गई थी। राज्य सरकार ने अपनी याचिका में कहा कि उच्च न्यायालय का आदेश तमिलनाडु पशु संरक्षण अधिनियम, 1958 के प्रावधानों के विपरीत है।

सम्मान :

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर बुधवार को जैन समाज के डॉक्टर मदनलाल जैन का सम्मान मैसूरु राजस्थानी समाज के गौतम सालेचा, मनीष मुणोत, मनोहरसिंह, पृथ्वीसिंह, नरेश भंडारी, बाबूलाल रांका आदि ने किया। डॉ मदनलाल द्वारा की जा रही समाज सेवा के लिए उनका सम्मान किया गया ।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**